E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 65 प्रयागराज, शनिवार 16 मई, 2026 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले- चीन के साथ बेहतरीन ट्रेड डील हुई,दोनों देशों को होगा फायदा,बीजिंग में अंतिम दौर की बैठक की

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार आखिरी दिन चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से अंतिम दौर की मुलाकत की। दोनों नेताओं की यह बैठक बीजिंग के झोंगनानहाई परिसर में हुई। इसे चीन के शीर्ष नेतृत्व का सबसे सुरक्षित और गोपनीय सत्ता केंद्र माना जाता है। बैठक के बाद ट्रम्प ने बताया कि चीन के साथ शानदार ट्रेड डील हुई हैं। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से अमेरिका और चीन दोनों को फायदा होगा। ट्रम्प ने कहा, 'हमने कुछ शानदार समझौते किए हैं, जो दोनों देशों के लिए अच्छे हैं।' हालांकि उन्होंने इन समझौतों की ज्यादा जानकारी साझा नहीं की। अमेरिका और चीन के बीच पिछले कुछ समय से व्यापार, तकनीक और सुरक्षा को लेकर तनाव बना हुआ है। हालांकि, दोनों देश रिश्तों को बेहतर करने की कोशिश भी कर रहे हैं। ट्रम्प ने घोषणा की है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 24 सितंबर को अमेरिका दौरे पर आएंगे। ट्रम्प ने कहा कि यह यात्रा पारस्परिक दौरे का हिस्सा होगी। ट्रम्प ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को सच्चा दोस्त बताया है। बीजिंग में बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा, 'जिनपिंग अब वास्तव में एक दोस्त बन गए हैं।' उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने कई अलग-अलग समस्याओं का समाधान निकाला है। ट्रम्प ने दावा किया, 'हमने कई ऐसे विवाद सुलझाए, जिन्हें दूसरे लोग शायद कभी नहीं सुलझा पाते।' ट्रम्प ने अपनी चीन यात्रा के दौरान कई बार जिनपिंग और दोनों देशों के रिश्तों की सार्वजनिक रूप से तारीफ की है। ट्रम्प ने बीजिंग के झोंगनानहाई परिसर का दौरा करते हुए उसकी जमकर तारीफ की। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ घूमते समय ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्हें यह जगह काफी पसंद आई और वे यहां रहने की आदत डाल सकते हैं।

नीट परीक्षा की नई तारीख का ऐलान, 21 जून को होगी, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने माना- पेपर लीक हुए

अगले साल से एग्जाम कंप्यूटर बेस्ड होगा

नयी दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार सुबह

नीट-यूजी की नई तारीख का ऐलान कर दिया। अब यह परीक्षा रविवार

शिक्षा मंत्री ने कहा- परीक्षा के समय में 15 मिनट का इजाफा

21 जून को होगी। एनटीए ने पेपर लीक की आशंका के बाद इस एग्जाम को 12 मई को रद्द कर दिया था। इससे पहले यह परीक्षा 3 मई को भारत के 551 और विदेशों के 14 शहरों में हुई थी। इसके लिए 5400 से ज्यादा एग्जाम सेंटर्स बनाए गए थे। इसमें 22.79 लाख स्टूडेंट्स बैठे थे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने माना, '12 तारीख को जब हमको पता चला कि पेपर लीक हुए हैं। हम नहीं चाहते थे कोई गलत कैंडिडेट न सिलेक्ट हो। इसलिए हमने बड़ी जिम्मेदारी से परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया।' शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, एग्जाम में कुछ सुधार लेकर आए हैं। अगली परीक्षा जो होने वाली है। जो एग्जाम होगा, उसकी फीस वापस करेंगे। अगले एग्जाम की फीस शून्य होगी। ताकि विद्यार्थियों पर बोझ न आए। उन्होंने कहा कि छात्रों को अपनी पसंद का शहर चुनने का ऑप्शन खुला रहेगा। परीक्षा के समय में 15 मिनट का और इजाफा किया गया है। एग्जाम दोपहर 2 से शुरू होगा, शाम 5.15 बजे तक चलेगा। एडमिट कार्ड 14 जून तक मिल जाएगा। अगले साल से एग्जाम कंप्यूटर बेस्ड होगा।

ईरान ने होर्मुज के लिए नए प्रोटोकॉल जारी किए, ब्रिक्स से अमेरिका की निंदा की अपील,चीन होर्मुज खोलने में मदद को तैयार- ट्रम्प

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को दावा किया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने होर्मुज को खुला रखने में मदद की पेशकश की है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि शी जिनपिंग चाहते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता हो जाए। ट्रम्प के मुताबिक, शी जिनपिंग ने कहा कि अगर मैं किसी तरह मदद कर सकता हूं, तो मैं मदद करना चाहूंगा। चीन बड़ी मात्रा में ईरानी तेल खरीदता है, इसलिए उसकी भी दिलचस्पी है कि होर्मुज खुला रहे। उन्होंने कहा, जो देश इतना ज्यादा तेल खरीदता है, उसका जाहिरतौर पर ईरान के साथ रिश्ता होता है। चीन चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट खुला रहे। वहीं, ईरान ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों को ईरान की निगरानी और मंजूरी से गुजरना पड़ रहा है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. होर्मुज में गुजरात का एक और जहाज डूबाः गुजरात का मालवाहक जहाज 'हाजी अली' ओमान के पास ड्रोन या मिसाइल जैसे हमले की चपेट में आकर डूब गया। सभी 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया गया। 2. ईरान ने चीनी जहाजों को होर्मुज से गुजरने दियाः ईरानी मीडिया के मुताबिक आईआरजीसी की निगरानी में कई चीनी जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकाला गया।3. ईरान बोला- इजराइल के साथ मिलीभगत करने वालों को जवाब मिलेगाः ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि इजराइल के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ साजिश करने वालों को जवाब दिया जाएगा। उनका बयान नेतन्याहू के कथित यूएई दौरे के दावे के बाद आया। 4. ईरान ने ब्रिक्स से अमेरिका-इजराइल की निंदा करने को कहाः नई दिल्ली में ब्रिक्स बैठक के दौरान ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने अमेरिका और इजराइल पर अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ने का आरोप लगाया और ब्रिक्स देशों से खुलकर विरोध की अपील की। 5. अमेरिका का दावा- होर्मुज नाकाबंदी के बाद 70 जहाजों ने रास्ता बदलाः ण्ऊिण्ध्ठ के मुताबिक होर्मुज में तनाव बढ़ने के बाद अब तक 70 व्यापारिक जहाजों ने अपना रूट बदल लिया है। ट्रम्प ने कहा है कि ईरान युद्ध को लेकर उनकी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सोच काफी मिलती-जुलती है। ट्रम्प ने कहा कि दोनों नेता युद्ध खत्म करने और होर्मुज स्ट्रेट खुला रखने के पक्ष में हैं। बीजिंग में जिनपिंग से मुलाकात के बाद ट्रम्प ने कहा, 'हम चाहते हैं कि यह खत्म हो जाए। हम नहीं चाहते कि ईरान के पास परमाणु हथियार हों।' उन्होंने कहा कि दोनों नेता चाहते हैं कि होर्मुज स्ट्रेट खुला रहे।

पेट्रोल-डीजल रु3-3 महंगे हुए, नई कीमतें लागू-कंपनियों को अभी भी रु25-30 प्रति लीटर का घाटा

नयी दिल्ली। पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया

है। दिल्ली में अब पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति लीटर में मिलेगा। डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं। करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है। वहीं कंपनियों को अभी भी पेट्रोल-डीजल पर रु25-रु30 प्रति लीटर का घाटा हो रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों के साथ प्रमुख शहरों में सीएनजी भी रु2 प्रति किलो तक महंगी हो गई हैं। दिल्ली में अब एक किलो सीएनजी के लिए रु79.09 खर्च करने होंगे। अन्य चीजों के दाम भी बढ़ सकते हैं.डीजल के दाम बढ़ने का सीधा असर आम आदमी की जेब और किचन पर पड़ता है। इसे ऐसे समझिए-मालभाड़ा बढ़ेगाः ट्रक और टेम्पो का किराया बढ़ जाएगा, जिससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो जाएंगे। खेती की लागतः ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ेगी।बस-ऑटो का कियायाः सार्वजनिक परिवहन और स्कूल बसों के किराए में भी इजाफा देखने को मिल सकता है। क्या अभी और बढ़ेंगे दाम? एक्सपर्ट्स का मानना है कि रु3 की यह बढ़ोतरी काफी नहीं है। अपना घाटा पूरी तरह खत्म करने और 'ब्रेक-ईवन' यानी नो प्रॉफिट-नो लॉस की स्थिति में आने के लिए इन कंपनियों को अभी पेट्रोल के दाम रु28 प्रति लीटर और डीजल के दाम रु32 प्रति लीटर तक बढ़ाने की जरूरत है। फिलहाल पेट्रोल पर 29.5फीसदी और डीजल पर 36.5फीसदी की कमी बनी हुई है। अगर ईरान युद्ध के कारण ग्लोबल एनर्जी मार्केट में सप्लाई इसी तरह प्रभावित रही, तो आने वाले दिनों में और भी इजाफा देखने को मिल सकता है।

राजस्थान में प्रचंड गर्मी 31 साल बाद तापमान 48.3डिग्री,गर्मी से बंद पड़ गया आईफोन

बाड़मेर/जैसलमेर। राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में लोग गर्मी से बेहाल हैं। इस सीजन में पहली बार गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया

गया है। बाड़मेर में 1995 के बाद 12 मई यानी 31 साल बाद तापमान 48.3डिग्री तक पहुंच गया था। जैसलमेर में भी तापमान दो दिन पहले 47 डिग्री तक पहुंच गया था। जोधपुर भी तप रहा है। मरीजों का बॉडी टेम्परेचर मेंटेन रखने के लिए सरकारी अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड के बाहर फव्वारे लगाने पड़े। आईफोन ने काम करना बंद कर दिया। तपती सड़कों पर जूते पहनकर चल पाना भी मुश्किल। दोपहर करीब 2 बजे का समय एक स्थानीय रिपोर्टर ने शहर के गर्मी के हालात दिखाने के लिए मोबाइल निकाला और वीडियो शूट करना शुरू किया। मुश्किल से 3 से 5 मिनट तक मोबाइल चला और फिर बंद हो गया। बंद होने से पहले स्क्रीन पर मैसेज आया- iphone need to cool down before you can use it पांच मिनट बाद जब मोबाइल का टेम्परेचर सामान्य हुआ तो वह चलने लगा। मरीजों को गर्मी और हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए इमरजेंसी वार्ड के बाहर फव्वारे लगाए गए हैं। पंखे की हवा के साथ ये फॉगिंग की तरह काम करते हैं। पीएमओ ने बताया कि बाहर का टेम्परेचर ज्यादा है। ऐसे में जैसे ही ठंडी फुहारें लगती हैं तो बॉडी का टेम्परेचर सामान्य हो जाता है। इसके अलावा हीट स्ट्रोक के आने वाले मरीजों के दो वार्ड बनाए गए हैं। जगह-जगह ओआरएस कॉर्नर लगाए गए हैं। बाड़मेर में 12 मई को तापमान 48.3 डिग्री पहुंच गया।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति ईरानी एक्ट्रेस को मैसेज करते थे,दावा- मैक्रों को इस वजह से पत्नी ने थप्पड़ मारा,वीडियो हुआ था वायरल

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को वियतनाम में

उनकी पत्नी ब्रिजित मैक्रों ने ईरानी मूल के एक्ट्रेस के कारण थप्पड़ मारा था। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, यह दावा फ्रांसीसी पत्रकार फ्लोरियन तारदिफ ने अपनी नई किताब 'एन (ऑलमोस्ट) परफेक्ट कपल' में किया है। यह किताब बुधवार को प्रकाशित हुई। किताब में कहा गया है कि यह विवाद ईरानी मूल की अभिनेत्री गोलशिफ्ते फराहानी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच कथित चैट की वजह से हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति मैक्रों अभिनेत्री को मैसेज भेजते थे। एक मैसेज में उन्होंने कथित तौर पर लिखा था, 'मुझे तुम बहुत खूबसूरत लगती हो।' फ्रांसीसी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैक्रों और फराहानी के बीच कई महीनों तक 'प्लेटोनिक रिलेशनशिप' (दोस्ती वाला रिश्ता) बना रहा। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया कि यह रिश्ता सिर्फ भावनात्मक और निजी बातचीत तक सीमित था। मैक्रों पिछले साल 25 मई को वियतनाम दौरे पर पहुंचे थे। इसी दौरान हनोई के नोई बाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनकी पत्नी उन्हें थप्पड़ मारती दिखी थीं। हालांकि, ब्रिजित मैक्रों की टीम ने इन सभी दावों को गलत बताया है। उनके प्रतिनिधियों ने कहा कि ब्रिजित कभी अपने पति का मोबाइल फोन नहीं देखतीं और किताब में कही गई बातें सच नहीं हैं। दूसरी तरफ अभिनेत्री गोलशिफ्ते फराहानी ने भी राष्ट्रपति मैक्रों के साथ किसी

ब्रिगिट की बेटी मैक्रों की क्लासमेट थी। दोनों अच्छे दोस्त भी थे अब दोनों में बाप–बेटी का रिश्ता है

रिश्ते की खबरों को पहले ही खारिज कर दिया था। मार्च में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि कुछ लोग प्यार की कमी की वजह से ऐसी कहानियां बना लेते हैं। किताब के मुताबिक, पिछले साल मई में जब मैक्रों कपल वियतनाम की राजधानी हनोई पहुंचे थे, तब विमान से उतरने से कुछ समय पहले ब्रिजित मैक्रों ने अपने पति के फोन में एक्ट्रेस का एक मैसेज देखा। इसके बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। इसी दौरान कैमरों में एक ऐसा वीडियो रिकॉर्ड हुआ, जिसमें ब्रिजित मैक्रों अपने पति को थप्पड़ मारती हुई दिखाई दीं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया था और दुनिया भर में इसकी चर्चा हुई थी। पत्रकार फ्लोरियन तारदिफ ने कहा कि एक्ट्रेस के मैसेज की वजह से पति-पत्नी के बीच तनाव पैदा हुआ और यही निजी विवाद बाद में सार्वजनिक हो गया। किताब में एक दोस्त के हवाले से लिखा गया है कि ब्रिजित मैक्रों को ऐसा लगा कि उनकी जगह धीरे-धीरे कम होती जा रही है। जब यह वीडियो पहली बार सामने आया था, तब राष्ट्रपति मैक्रों की टीम ने पहले कहा था कि वीडियो नकली या एआई से बना हो सकता है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

भारत-यूएई के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर समझौता,राष्ट्रपति अल नाहयान के साथ बैठक में फैसला

मोदी के प्लेन को एफ-16 फाइटर जेट से सुरक्षा दी गई

दुबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई दौरे पर पहुंचे हैं। अबूधाबी

पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक यूएई एयरफोर्स के एफ-16 फाइटर जेट्स ने प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट किया। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों देशों के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर अहम समझौता हुआ। इसके अलावा स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व, रक्षा सहयोग और वडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर से जुड़े एमओयू भी साइन किए गए। यूएई ने भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब डॉलर निवेश का ऐलान भी किया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश और वेस्ट एशिया के हालात पर चर्चा की। भारत और यूएई के बीच 07 समझौते- स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व समझौता- महत्व - ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी, तेल भंडार मजबूत होंगे, एलएनजी-एलपीजी स्टोरेज पर सहयोग संभव । एलपीजी सप्लाई समझौता-महत्व - एलपीजी सप्लाई मजबूत होगी, आर्थिक साझेदारी बढ़ेगी। स्ट्रेटेजिक डिफेंस पार्टनरशिप समझौता- महत्व रक्षा सहयोग, तकनीक साझा करने और सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। वाडिनार पोर्ट, गुजरात में शिप रिपेयर क्लस्टर बनाने पर समझौता- महत्व- शिपिंग और तटीय ढांचा मजबूत होगा और मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा। शिप रिपेयर में स्किल डेवलपमेंट पर समझौता- महत्व समुद्री कार्यबल की क्षमता बढ़ेगी और भारत शिपबिल्डिंग रिपेयर व स्किल हब बनेगा। सुपरकंप्यूटिंग क्लस्टर पार्टनरशिप समझौता- महत्त्व- सुपरकंप्यूटर क्लस्टर से एआई मिशन को बढ़ावा मिलेगा। यूएई का भारत में डॉ.5 अरब निवेश करने का वादा-महत्व- निवेश से रोजगार बढ़ेगा और भारत-यूएई विकास साझेदारी मजबूत होगी।

ट्रंप के बीजिंग दौरे ने साफ कर दिया की अमेरिका को भारत की जरूरत नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे ने साफ कर दिया है कि अमेरिका अब भारत

की जरूरत नहीं है। अभी तक लगभग सभी अमेरिकी सरकारें चीन के खिलाफ भारत को एक विकल्प के रूप में देखती थीं। इस कारण अमेरिका की कोशिश भारत को चीन के बराबर खड़ा करने की रहती थी। अमेरिका को लगता था कि चीन उसके लिए खतरा बन सकता है। ऐसे में वह भारत को एक ताकत के रूप में खड़ा कर रहा था, जो चीन का उदय रोक सके। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे ने अमेरिकी विदेश नीति को बदल दिया है। उन्होंने चीन को दोस्त बनाने की कोशिश की है, जो भारत के लिए एक बड़ा कूटनीतिक झटका हो सकता है। अमेरिका को भारत की जरूरत नहीं-विशेषज्ञों का कहना है कि दशकों तक, नई दिल्ली में कई लोग इस भ्रम में जी रहे थे कि अमेरिका को चीन के मुकाबले एक संतुलन बनाने के लिए भारत की आवश्यकता है। इसलिए, वाशिंगटन के पास दिल्ली को अपने पक्ष में रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। अब ऐसा लगता है कि यह भ्रम टूट रहा है। हकीकत यह है कि वाशिंगटन भले ही बीजिंग के बढ़ते प्रभाव को धीरे-धीरे स्वीकार कर रहा है, लेकिन वह भारत को दूसरा चीन नहीं बनाना चाहता। तन्वी मदान, किंग्स इंस्टीट्यूशन की सीनियर फेलो- 'अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप ने एक ओर जहां भारत और चीन के बीच सामरिक स्तर पर जारी नरमी को गति दी है, वहीं दूसरी ओर भारत के रणनीतिक वातावरण को अधिक जटिल बना दिया है और चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने की भारत की क्षमता के कुछ पहलुओं को सीमित भी किया है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

भारत के एक ऐलान से घबराया नेपाल, पीएम बालेन के सामने खड़ा हो सकता है नया संकट

काठमांडू। भारत ने घरेलू कीमतों को स्थिर करने के लिए 30 सितंबर तक कच्ची, सफेद और रिफाइंड चीनी के एक्सपोर्ट पर रोक लगाई है। भारत के इस फैसले ने नेपाल की फिक्र बढ़ा दी है। खासतौर से त्योहारों के मौसम में नेपाल में चीनी की कमी हो सकती है। दशैन, तिहार और छठ के आसपास दबाव बढ़ सकता है, जब चीनी की मांग ज्यादा होती है। एक्सपर्ट ने इस मुद्दे पर नेपाल की बालेन शाह सरकार को चेताया है और खाद्य सुरक्षा के लिए कदम उठाने की मांग की है। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, भारत ने नेपाल को होने वाले निर्यात को रोका है। इससे नेपाली बाजारों में उथलपुथल की संभावना है। यह इसलिए भी है क्योंकि ऐसी आशंका है कि अल नीनो की स्थितियों के कारण आने वाले समय में सूखा पड़ सकता है। इससे कृषि उत्पादन को नुकसान होगा और अगले सीजन की पैदावार कम हो जाएगी। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी निर्यातक है। नेपाली अधिकारियों का कहना है कि इससे पता चलता है कि भारत के व्यापार प्रतिबंधों के सामने हमारा देश कितना कमजोर है। नेपाली उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव नेत्र प्रसाद सुबेदी ने कहा कि हम चाय निर्यात पर भारत के नए नियमों पर चर्चा कर रहे थे कि चीनी पर प्रतिबंध लग गया है।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक 21 मई को,पीएम मोदी करेंगे अध्यक्षता,कैबिनेट में फेरबदल की संभावना

बचत पर चर्चा हो सकती है

नयी दिल्ली। मोदी सरकार की मंत्रिपरिषद की बैठक 21 मई को

होने की संभावना है। पीएम मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में सभी केंद्रीय मंत्रियों, स्वतंत्र प्रभार वाले केंद्रीय राज्य मंत्रियों और अन्य केंद्रीय राज्य मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के अलग-अलग पहलुओं के अलावा, मंत्रालयों और विभागों के कामकाज की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। मोदी 3.0 सरकार के दो साल पूरे होने से पहले कैबिनेट में संभावित फेरबदल को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस सरकार ने 10 जून, 2024 को शपथ ली थी। सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट का विस्तार और फेरबदल जून के दूसरे सप्ताह में हो सकता है। इसके अलावा पीएम बैठक में बचत की अपील पर भी चर्चा कर सकते हैं। दरअसल पीएम ने 10-11 मई को दो रैलियों में लोगों से ईंधन बचाने, सोना न खरीदने की अपील की थी। 2 दिन-2 जगहः पीएम की पेट्रोल खपत कम करने की अपील-11 मईः वडोदरा में मोदी बोले- पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें-जहां संभव हो पेट्रोल डीजल का उपयोग कम करें और मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें। विदेश में रहने वाले भारतीयों से कहूंगा कि कम से कम पांच विदेशी मेहमानों को भारत घुमाने लाइए। सोने के आयात पर भी देश का बहुत बड़ा पैसा विदेश जाता है। जब तक हालात सामान्य न हों, हम सोने की खरीद टालें। गोल्ड की जरूरत नहीं है। अगर लोग खाने के तेल का कम उपयोग करें तो इससे देश और शहर दोनों को फायदा होगा।

स्वामी विवेकानंद लॉ कॉलेज में 'मूट कोर्ट' का आयोजन, कानून की बारीकियों से रूबरू हुए छात्र

कानून की सटीक जानकारी से ही लोगों को मिलेगा न्याय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी/हरहुआ। विकास खंड के अंतर्गत दुनियापुर स्थित स्वामी विवेकानंद लॉ कॉलेज में छात्र-छात्राओं के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से 'मूट कोर्ट' (आभासी अदालत) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधि के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए वास्तविक अदालत की तर्ज पर तर्कों और साक्ष्यों के आधार पर कानूनी बहस प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के विधि विभाग के डॉ. केसरी नंदन शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि मूट कोर्ट विधि के छात्रों के लिए रीढ़ की हड्डी के समान है। इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है तथा वे वकालत की व्यावहारिक बारीकियों, अदालती शिष्टाचार और तार्किक क्षमता को बेहतर ढंग से सीख पाते हैं। इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंधक राजीव राय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कॉलेज का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्रों को एक कुशल और योग्य अधिवक्ता के रूप में तैयार करना है। ऐसे आयोजनों से छात्रों की झिझक दूर होती है और वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होते हैं। मूट कोर्ट के दौरान छात्र-छात्राओं ने जज, वकील और मुवक्किल की भूमिकाएं बखूबी निभाईं तथा काल्पनिक मामलों पर प्रभावशाली बहस पेश की। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि एवं प्रबंधक द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अजय पाण्डेय, शिक्षक संजय वर्मा, राघवेंद्रमणि त्रिपाठी, अध्यापिका श्यामकली पटेल इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि हरिशंकर सिंह एडवोकेट ने दिलाई शपथ, डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की नई टीम ने संभाला कार्यभार

अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट बोले- कुर्सी अधिकार नहीं, सेवा का संकल्प; अधिवक्ता भवन व लाइब्रेरी आधुनिकीकरण प्राथमिकता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। तहसील सभागार रॉबर्ट्सगंज का मंच शुक्रवार को अधिवक्ता एकता और संकल्प का गवाह बना। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के सत्र 2025-26 की नवनिर्वाचित प्रबंध समिति का भव्य शपथ ग्रहण समारोह निवर्तमान अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष व सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर सिंह एडवोकेट ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने नवनिर्वाचित प्रबंध समिति को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नई टीम में अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिंदु यादव एडवोकेट, महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट, कोषाध्यक्ष द्वारिका नाथ नगर एडवोकेट ने शपथ ली। उपाध्यक्ष 10 साल से ऊपर संतोष कुमार यादव एडवोकेट एवं चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट, 10 वर्ष से नीचे उपाध्यक्ष पद पर आशुतोषदेव पांडेय एडवोकेट एवं आशुतोष कुमार पटेल एडवोकेट शामिल हैं। सचिव पुस्तकालय पर अभिषेक सिंह मौर्य एडवोकेट, सचिव प्रशासन पर हरिद्वार एडवोकेट, व सचिव प्रकाशन पर वेद प्रकाश सिंह एडवोकेट ने शपथ ली। वरिष्ठ कार्यकारिणी में भोला सिंह पटेल एडवोकेट, अशोक कुमार पाठक एडवोकेट, परमेश्वर सिंह एडवोकेट, कृष्ण मुरारी एडवोकेट, गुलाब वैश्य एडवोकेट, अनिल कुमार सिंह एडवोकेट और कनिष्ठ कार्यकारिणी में चंद्रकला गिरी एडवोकेट, सुमन एडवोकेट, मार्तंड प्रताप सिंह एडवोकेट, राकेश कुमार सिंह एडवोकेट, सुदेश कुमार एडवोकेट, रमन कुमार एडवोकेट शामिल हैं।मुख्य अतिथि हरिशंकर सिंह एडवोकेट ने कहा, काला कोट केवल वस्त्र नहीं, जिम्मेदारी है। बार की मजबूती से ही आम आदमी को न्याय सुलभ होगा।शपथ ग्रहण के उपरांत नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा कि आज आप सबने जिस विश्वास के साथ यह दायित्व मुझे सौंपा है, मैं उसके लिए हृदय से आभारी हूं। यह कुर्सी मेरे लिए अधिकार नहीं, सेवा का संकल्प है। उन्होंने वादा किया कि कार्यकारिणी अधिवक्ता भवन, चैंबर निर्माण, लाइब्रेरी के आधुनिकीकरण और वादकारियों को त्वरित न्याय मिले, इसके लिए बार और बेंच के बीच सेतु बनकर काम करेगी।

संचालन पूर्व अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव एडवोकेट एवं शांति वर्मा एडवोकेट ने किया। समारोह में जिलाजीत सिंह यादव, हीरालाल कुमार यादव, प्रदीप कुमार मौर्य, रामप्रसाद यादव, पवन शर्मा, धर्मेंद्र ओझा, राजकुमार पटेल, चंद्र प्रकाश सिंह, कामता यादव, सुरेश कुशवाहा, वी पी सिंह, रियाज खान, टीटू गुप्ता, विनीत श्रीवास्तव, आकृति निर्भया, वीरेंद्र राव आदि उपस्थित रहे।

बनारस के छिपे हुनर को मिलेगा नया मंच, ओम शिवा फाउंडेशन शुरू करेगा सिंगिंग टैलेंट प्रोग्राम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। ओम शिवा फाउंडेशन की ओर से बनारस के उभरते कलाकारों को नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से एक विशेष सिंगिंग टैलेंट प्रोग्राम की शुरुआत की जा रही है। इस पहल का मकसद उन प्रतिभाशाली युवाओं को मंच प्रदान करना है, जो संसाधनों और अवसरों के अभाव में अपनी कला को दुनिया के सामने नहीं ला पाते। कार्यक्रम के माध्यम से कलाकारों को न सिर्फ अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और आत्मबल भी विकसित किया जाएगा।फाउंडेशन द्वारा आयोजित बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। ओम शिवा फाउंडेशन के संस्थापक श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव ट्रस्टी श्री प्रकाश सिंह कमेटी मेंबर कोहिनूर मिसेज इंडिया इंटरनेशनल दीक्षा श्रीवास्तव ने कहा कि बनारस सदियों से संगीत, कला और संस्कृति की धरती रहा है। बनारस घराने की पहचान देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक है और यहां के कई कलाकारों ने अपनी कला से देश का गौरव बढ़ाया है। ऐसे में नई पीढ़ी के कलाकारों को भी उचित मंच और मार्गदर्शन देना समय की जरूरत है, ताकि उनका हुनर दबकर न रह जाए।कार्यक्रम में 16 वर्ष से 40 वर्ष तक के प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। प्रतियोगिता की थीम 'राग बेस्ड फिल्मी सॉन्ग्स' रखी गई है, जिससे प्रतिभागियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत की झलक के साथ अपनी गायकी प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों के लिए दो लाख रुपये तक के पुरस्कार भी निर्धारित किए गए हैं। आयोजकों का कहना है कि यह मंच कलाकारों के लिए सुनहरा अवसर साबित होगा और उन्हें अपने हुनर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद करेगा।बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि कार्यक्रम को बड़े और भव्य स्तर पर आयोजित किया जाए, ताकि बनारस सहित आसपास के जिलों के अधिक से अधिक कलाकार इसमें भाग ले सकें। कार्यक्रम में कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विशेष आयोजन भी किए जाएंगे, जिससे कलाकारों का उत्साह बढ़े और दर्शकों को भी संगीत का बेहतरीन अनुभव मिल सके।फाउंडेशन की ओर से बताया गया कि प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 20 मई से शुरू होकर 10 जुलाई तक चलेगी। इच्छुक प्रतिभागी मोबाइल नंबर 8299197113, 9956814000, 9451645951 पर संपर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।प्रतियोगिता की चयन प्रक्रिया कई चरणों में आयोजित होगी। पहली स्क्रीनिंग 26 जुलाई, दूसरी स्क्रीनिंग 30 अगस्त और तीसरी स्क्रीनिंग 27 सितंबर को आयोजित की जाएगी। इसके बाद सेमीफाइनल 25 अक्टूबर तथा ग्रैंड फिनाले 31 अक्टूबर को होगा। हर चरण में प्रतिभागियों की सुर, ताल, प्रस्तुति और मंच संचालन क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि यह पूरा कार्यक्रम स्वर कोकिला आशा भोसले की स्मृति के साथ साथ दिव्यांगजनों की सेवा में समर्पित है। उनका कहना है कि संगीत जगत में आशा भोसले का योगदान नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उसी प्रेरणा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

कैबिनेट मंत्री बनने के बाद प्रथम बार जनपद रायबरेली के आगमन पर मनोज पांडे का हुआ भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक ऊंचाहार को योगी मंत्रिमंडल में पुनः कैबिनेट मंत्री की शपथ ग्रहण कराई गई। कैबिनेट मंत्री बनने के बाद प्रथम बार अपने जनपद रायबरेली कहां हो मैं प्रथम आगमन पर हुआ भव्य स्वागत। जनपद रायबरेली के बॉर्डर पर चीरवा मंदिर से मनोज पांडे समर्थकों का कांटा लगा हुआ था। इसकी जानकारी मिलने पर मनोज पांडे जी ने अपना रास्ता सुल्तानपुर रोड से होते हुए हैदर हैदरगढ़ और होते हुए पार्टी कार्यालय पहुंचे। पार्टी कार्यालय पर उपस्थित कार्यकर्ताओं द्वारा श्री पांडे को फूल मालाओं से लाद दिया गया। पार्टी कार्यालय में पदाधिकारी से कुशल से पूछने के बाद एवं विकास संबंधी बैठकों के बाद वह पीडी डाक बंगला सिविल लाइन पहुंचे, जहां पहले से उपस्थित क्षेत्र की जनता द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया जगह-जगह तोरण द्वारा बनवाए गए और फूल मालाओं से उन्हें लाद दिया गया। जनपद के परिषद अधिकारी जिला अधिकारी पुलिस अधीक्षक समेत सभी उच्च अधिकारियों ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया जिनके साथ डाक बंगले में मंत्री जी ने विकास के संबंध में चल रही परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और कार्रवाई किए जाने के निर्देश प्रदान किए गए। पीडब्ल्यूडी डाक बंगले की समीक्षा बैठक के बाद श्री पांडे रेलवे स्टेशन के सामने स्थित गांधी धर्मशाला में संघ भवन पहुंचकर संघ के पदाधिकारियों से भी संवाद किया। अंत में सभी कार्यकर्ताओं अधिकारियों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए मनोज पांडे अपने निज आवास नीलम मेंशन की ओर रवाना हुए।इस अवसर पर अशोक कुमार, विधायक सलोन,राकेश प्रताप सिंह, पूर्व एम.एल.सी. राजाराम त्यागी, पूर्व विधायक,युवा मोर्चा के अध्यक्ष निखिल पाण्डेय, उपजा के प्रदेश अध्यक्ष शिव मनोहर पाण्डेय सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा 10 जुलाई तक लागू - डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद में 16 मई 2026 को वट सावित्री पूजा, 27/28 मई को ईदज्जुहा (बकरीद), 25/26 जून को मोहर्रम, ज्येष्ठ माह में प्रत्येक मंगलवार आयोजित होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों, पूर्णिमा/अमावस्या, पर्व पर गंगास्नान एवं विभिन्न आयोग एवं भर्ती बोर्ड से आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षायें, प्राविधिक शिक्षा परिषद/ विश्वविद्यालय की गतिमान वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाओं के आयोजन, परीक्षा पुस्तिकाओं का मूल्यांकन व संचारी रोगों के प्रभावी रूप से रोकथाम के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देश का क्रियान्वयन किया जाना है।

उक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत वर्तमान में समयाभाव के कारण पक्षों को सुनने के उपरान्त आदेश पारित किया जाना सम्भव नहीं है।

जिला मजिस्ट्रेट सरनीत कौर ब्रोका ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जनपद में लोक परिशान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु एक पक्षीय रूप से 15 मई से 17 जुलाई 2026 तक सम्पूर्ण जनपद में निषेधाज्ञा जारी किया है।

कनहर सिंचाई परियोजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश, जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज कनहर सिंचाई परियोजना क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर परियोजना से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। निरीक्षण एवं बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने परियोजना के निर्माण कार्यों, भूमि संबंधी मामलों, मुआवजा वितरण, पेड़ कटान, विद्युत समस्याओं एवं माइनर नहरों की खुदाई की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में वन विभाग के अधिकारियों ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि मेन कैनाल नहर क्षेत्र में आने वाले सभी पेड़ों की कटान का कार्य जून माह तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके लिए विभाग द्वारा 6 डिवीजन स्तरीय टीमों का गठन कर गांववार कार्य योजना तैयार की गई है। वहीं विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि परियोजना क्षेत्र में विद्युत लाइनों एवं अन्य तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु कार्य तेजी से कराया जा रहा है और लंबित समस्याओं का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी दुद्धी निखिल यादव एवं उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह को निर्देशित करते हुए कहा कि डूब क्षेत्र की जिन जमीनों का अभी तक दाखिल-खारिज नहीं हुआ है, उनकी कार्यवाही प्रतिदिन कराते हुए जल्द पूर्ण कराई जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्रभावित परिवारों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है, उनके प्रकरणों में क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा वरासत एवं दाखिल-खारिज की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर मुआवजा वितरण सुनिश्चित किया जाए। तहसीलवार समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाई जाए। बैठक के दौरान के0सी0डी0 प्रथम के अधिशासी अभियंता श्री वीर बहादुर सिंह द्वारा कार्य प्रगति की स्पष्ट जानकारी प्रस्तुत न किए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि परियोजना कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने माइनर खुदाई कार्य करा रहे ठेकेदार को भी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निरीक्षण के दौरान कार्य प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई तो संबंधित ठेकेदार पर कड़ी पेनाल्टी लगाई जाएगी।

रॉबर्ट्सगंज निवासी फिरोज अहमद और उनके परिवार के सदस्यों को मिला न्याय

स्थाई लोक अदालत के हस्तक्षेप पर बीमा कंपनी ने 11 लाख 50 हजार रूपये का चेक दिया,राबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित एडीआर भवन में संचालित स्थाई लोक अदालत में हुआ सुलह समझौता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित एडीआर भवन में संचालित स्थाई लोक अदालत ने शुक्रवार को सुलह समझौता के आधार पर बीमा कंपनी से वादी टीचर्स कालोनी रॉबर्ट्सगंज निवासी फिरोज अहमद और उनके परिवार के सदस्यों को 11 लाख 50 हजार रूपये की धनराशि का चेक दिलवाया। करीब 6 माह बाद स्थायी लोक अदालत के हस्तक्षेप पर यह सफलता मिली। बता दें कि रॉबर्ट्सगंज टीचर्स कालोनी निवासी वादी फिरोज अहमद ने 11 नवंबर 2025 को स्थायी लोक अदालत में मुकदमा दाखिल कर न्याय की गुहार लगाई थी। वादी के बेटे ऐयाज अहमद की 15 दिसंबर 2024 को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बाइक के बीमा की वैधता 19 नवंबर 2024 से 18 नवंबर 2025 तक थी। बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी को सभी कागजात उपलब्ध कराने पर बीमा की धनराशि 15 लाख रुपये की मांग की गई थी। बीमा कम्पनी ने पहले देने का आश्वाशन दिया, लेकिन बाद में देने से इनकार कर दिया। तब मजबूर होकर स्थायी लोक अदालत में मुकदमा दाखिल कर न्याय की गुहार फिरोज अहमद पुत्रतौफीक अहमद, रुबीना खातून पत्नी फिरोज अहमद व सुहेल अहमद पुत्र फिरोज अहमद निवासीगण टीचर्स कालोनी रॉबर्ट्सगंज, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र ने लगाई थी। स्थायी लोक अदालत के हस्तक्षेप के बाद बीमा कंपनी की तरफ से सुलह समझौता के आधार पर मामले का निस्तारण करते हुए वादी फिरोज अहमद व रुबीना खातून को 4-4 लाख रुपये व सुहेल अहमद को साढ़े तीन लाख रुपये का चेक स्थाई लोक अदालत अध्यक्ष नरेंद्र बहादुर प्रसाद द्वारा दिया गया। इस प्रकार से कुल 11 लाख 50 हजार रुपये का चेक दिया गया। स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष नरेंद्र बहादुर प्रसाद ने बताया कि स्थस्यी लोक अदालत में जनहित सेवाओं से संबंधित मामले जैसे बिजली, पानी, अस्पताल, परिवहन, बीमा, शिक्षा, डाक, नगर पालिका आदि के मुकदमें बगैर किसी कोर्ट फीस के देखे जाते हैं। इस अवसर पर स्थाई लोक अदालत के सदस्य नीरज सिंह, आशीष मिश्रा, अधिवक्ता दशरथ सिंह, आलोक वर्मा, जमुना आदि लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी पर सख्त कार्रवाई की मांग

भाजपा युवा मोर्चा ने थाना फेस-1 में सौंपी शिकायत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष आकाश शर्मा के नेतृत्व में थाना फेस-1, नोएडा में एक लिखित शिकायत सौंपकर उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं भड़काऊ टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। शिकायत में उल्लेख किया गया कि संजय भाटी पुत्र विजय पाल सिंह भाटी, निवासी ग्राम देवला, थाना सूरजपुर, जनपद गौतमबुद्ध नगर द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अभद्र, अमर्यादित एवं भड़काऊ टिप्पणियां की गई हैं। इस प्रकार की बयानबाजी न केवल माननीय मुख्यमंत्री की गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास है, बल्कि प्रदेश की सामाजिक एवं राजनीतिक शांति व्यवस्था को भी प्रभावित करने वाली है। मंडल अध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था, सुशासन एवं विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं। ऐसे में कुछ असामाजिक तत्व जानबूझकर प्रदेश का माहौल खराब करने एवं जनता को भ्रमित करने का कार्य कर रहे हैं, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि वायरल वीडियो का तत्काल संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषी व्यक्ति के विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस प्रकार की भड़काऊ एवं समाज विरोधी गतिविधियों का दुस्साहस न कर सके। इस दौरान मंडल अध्यक्ष आकाश शर्मा के साथ सुनील, संदीप, ऋषभ, प्रभाष, रोहित, विशाल, नसीम, आमिर एवं आसिफ, आयुष, गोलू, सन्नी , सुमित सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तीन लग्जरी कारों से करोड़ों का गांजा बरामद, चार तस्कर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल/ब्यौहारी। ब्यौहारी। जयसिंहनगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने मंटोला तिराहे के पास घेराबंदी कर तीनों वाहनों को रोका। कार्रवाई के दौरान बलेनो कार से 106 किलो गांजा बरामद कर आरोपी शेखर शुक्ला को गिरफ्तार किया गया। वहीं एक्सएल 6 कार से 170 किलो गांजा जब्त हुआ, जिसमें राजकुमार गुप्ता पकड़ा गया। तीसरी एक्सयूवी-300 वाहन से 123 किलो गांजा बरामद कर रामप्रकाश पटेल और आशुतोष प्यासी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सात मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार तीनों वाहन एक-दूसरे के आगे-पीछे चल रहे थे। पूरी कार्रवाई में साइबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शहडोल जिले के ब्यौहारी क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन लग्जरी कारों से करीब चार क्विंटल गांजा जब्त किया है। कार्रवाई में चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया। जब्त गांजा, वाहन और मोबाइल फोन सहित कुल माल की कीमत लगभग एक करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि जैतपुर-सीधी मार्ग से कुछ कारों में भारी मात्रा में गांजा ले जाया जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में ब्यौहारी, देवलोंद और ब्यौहारी थाना प्रभारी जिया उल हक के नेतृत्व में उप निरीक्षक बालकारण प्रजापति, वीरेंद्र तिवारी, प्रधान आरक्षक नरेंद्र उपाध्याय, सुखेंद्र, पंजाब सिंह, बिलाल, आरक्षक पंकज सहित पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। सूत्रों के अनुसार गांजे की खेप जैतपुर से सीधी होते हुए रीवा और उत्तर प्रदेश तक पहुंचाई जाती थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश शुरू कर दी है।

ब्राह्मण संगठनों का हुआ ऐतिहासिक महासंगम, पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने 'पवित्र यज्ञ' के रूप में ब्राह्मण पुनर्जागरण का भावुक आह्वान किया

देश के सभी राज्यों में 'विप्र कल्याण बोर्ड' बनना चाहिए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गुरुग्राम विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद द्वारा गुरुग्राम के 'हारमनी क्लब' में आयोजित इस ऐतिहासिक 'ब्राह्मण चिंतन बैठक' में देशभर के 120 प्रमुख ब्राह्मण संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष एकजुट हुए। विशेष रूप से उत्तर भारत के लगभग सभी संगठनों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिसने ब्राह्मण समाज की एकता को नई ऊर्जा प्रदान की। संगठन के मार्गदर्शक एवं राजस्थान-हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने अपने ओजस्वी संबोधन से सबको प्रेरित किया। माननीय श्री कलराज मिश्र जी का भावुक संबोधनः-बैठक को संबोधित करते हुए कलराज मिश्र जी ने भावविभोर स्वर में कहा, 'यह परिषद केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा, सद्भाव और समाजोत्थान का 'पवित्र यज्ञ' है!' उन्होंने जोर देकर आह्वान किया कि ब्राह्मण समाज अपनी पुरातन ज्ञान-परंपरा और निःस्वार्थ सेवा भाव से न केवल अपने समाज, बल्कि समस्त मानवजाति का पथ-प्रदर्शक बने। आगे उन्होंने स्पष्ट किया, 'ब्राह्मणों का कर्तव्य राष्ट्र-निर्माण और सांस्कृतिक संरक्षण में सदैव अग्रणी रहा है। अब समय है पुनर्जागरण का!' इसके बाद विप्र कल्याण बोर्ड का ऐतिहासिक संकल्प आया। कलराज मिश्र ने दृढ़ इच्छाशक्ति से घोषणा की कि परिषद के प्रयासों से देश के सभी राज्यों में 'विप्र कल्याण बोर्ड' गठित किया जाएगा, ताकि सरकारी स्तर पर समाज के पिछड़े वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व, सहायता और सम्मान मिले। कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. सतीश शर्मा ने उत्साह से जोड़ा कि संगठन दिसंबर 2026 तक प्रत्येक जिले में 500 गरीब विप्र युवाओं को रोजगार दिलाने का संकल्प ले चुका है–यह समाज की निःस्वार्थ सेवा का जीवंत प्रतीक बनेगा। सभी संगठनों ने एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम (सीएमपी) तैयार किया, जिसमें शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा के एकीकृत लक्ष्य शामिल हैं। उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड चुनावों में ब्राह्मण भूमिका- बैठक में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के आगामी चुनावों पर गहन चिंतन हुआ। सभी नेताओं ने कलराज मिश्र के मार्गदर्शन में समाजहित के लिए कार्य करने और उनके नेतृत्व में अग्रसर होने का संकल्प लिया। यह एकता ब्राह्मण समाज की राजनीतिक शक्ति को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने समाज की निर्धनता पर चिंता जताते हुए सबको साथ लेकर चलने का भावुक आह्वान किया। पूर्व सांसद डॉ. अशोक वाजपेयी ने अपने संबोधन में कहा, 'यह समन्वय ब्राह्मण समाज की लंबे समय से प्रतीक्षित एकता का प्रतीक है। हमें ज्ञान की ज्योति से अंधकार मिटाना होगा। आने वाले दिनों में यह प्रयास राष्ट्रव्यापी क्रांति लाएगा!' पंडित गोविंद कुलकर्णी ने इसे 'ब्राह्मण एकता का स्वर्णिम अध्याय' बताया। अश्विनी चौबे (पूर्व केंद्रीय मंत्री), डॉ. अशोक वाजपेयी (पूर्व सांसद), श्रीमती मेधा कुलकर्णी (सांसद, राज्यसभा), सुगुणेन्द्र तीर्थ महास्वामी (उडुपी), डॉ. सतीश शर्मा और पंडित गोविंद कुलकर्णी सहित देश के शीर्ष ब्राह्मण नेता उपस्थित रहे। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्य सयोजक विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद के अमित शर्मा एवम अमित मिश्रा के नेतृत्व में सह-सयोजक राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख अरविंद भारद्वाज एवं पंडित शरद शर्मा और पंडित हरीश शर्मा सक्रिय रहे। मनोज शास्त्री, मुकेश शर्मा एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति धर्मेश गौड़ भी उपस्थित होकर इस महासंगम को और समृद्ध बनाया।

प्रेमानंद महाराज कैलाश खेर का डांस देख खिल उठे,मोरपंखी हार पहनाकर बम लहरी गाया-बांके बिहारी को एकटक निहारते रहे

मथुरा। सूफी गायक कैलाश खेर शुक्रवार सुबह वृंदावन के केलीकुंज आश्रम में संत प्रेमानंद जी महाराज से मिलने पहुंचे। कैलाश खेर ने प्रेमानंद महाराज को मोरपंखी हार पहनाया। हाथ जोड़कर उन्हें प्रणाम किया, फिर बम लहरी गाना सुनाकर डांस किया। कैलाश खेर का भक्ति गीत सुनकर और डांस देखकर प्रेमानंद महाराज खिलखिलाकर हंसे। इससे पहले गुरुवार शाम को कैलाश खेर ने भगवान बांके बिहारी के दर्शन किए। इस दौरान भगवान की छवि को एकटक निहारते रहे। करीब 30 मिनट मंदिर में रहे। प्रसिद्ध भजन गायक कैलाश खेर गुरुवार देर शाम वृंदावन पहुंचे। यहां के एक फाइफ स्टार होटल में रुके। इसके बाद कैलाश खेर बांके बिहारी मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने भगवान बांके बिहारी जी के दर्शन किए और पूजा अर्चना की। कैलाश खेर फूल बंगला में विराजमान भगवान बांके बिहारी की छवि को निहारते ही रह गए।

यहां उन्होंने देहरी पर इत्र लगाया। इस दौरान सेवायत मोहित गोस्वामी ने उनको भगवान का प्रसादी, अंग वस्त्र और प्रसाद भेंट किया। शुक्रवार सुबह कैलाश खेर रमण रेती स्थित केली कुंज आश्रम पहुंचे। आश्रम के सेवादारों ने दुपट्टा पहनाकर उनका स्वागत किया। संत प्रेमानंद महाराज ने कैलाश खेर से पूछा- आप ठीक हैं। जिस पर गायक ने कहा- मस्त हैं। इसके बाद कैलाश खेर ने माइक लिया और हाथ जोड़े। फिर बम लहरी गाना गाने लगे। भजन सुनाने के दौरान जब कैलाश खेर ने अचानक डांस करना शुरू किया। तो संत प्रेमानंद महाराज मुस्कुराने लगे। 1 मिनट 30 सेकंड के बक्कड़ बम लहरी भजन सुनकर संत प्रेमानंद महाराज बोले- बहुत सुंदर, बहुत बढ़िया। इसके बाद कैलाश खेर ने कहा- मैं एक और भजन सुनाना चाहता हूं। जिस पर संत प्रेमानंद ने कहा- जी। 5 वर्ष की मीरा लाडली भजन सुनाया- कैलाश खेर ने संत प्रेमानंद महाराज को अपने अंदाज में 5 वर्ष की मीरा लाडली हो, सखियां में खेला जाए री, सुन राणा बाई री भजन सुनाया। इस भजन को सुनकर संत प्रेमानंद महाराज ने कहा- बहुत अच्छी आवाज है। इसके बाद कैलाश खेर ने संत प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लिया और वहां से रवाना हो गए।

सिरमौर बुद्ध विहार गंगौली सोइया अमेठी की मासिक बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। सिरमौर बुद्ध विहार गंगौली सोइया अमेठी की मासिक बैठक सम्पन्न हुई।

इस अवसर पर बुद्ध जयंती के दिन के आय व्यय पर विचार चहारदीवारी निर्माण खर्च से बचे धन पर विचार आदि पर चर्चा परिचर्चा की गयी। प्रबंधक सुखदेव उर्फ भंते प्रज्ञा मित्र और सचिव रामफल फौजी निबंधन कार्यालय अयोध्या तारीख से संबंधित कार्य से गये होने के कारण मीटिंग में नहीं उपस्थित हो सके थे।

उपस्थित रहे पदाधिकारियों व सदस्यों में अध्यक्ष श्याम लाल उर्फ भंते धम्म दीप रामटहल उर्फ भंते शीलरतन कोषाध्यक्ष, रामसमुझ रामाश्रिशोर बाबूलाल हीरालाल छोटेलाल पल्टूराम मास्टर रामदेव अमीन नजरू नीरज बौद्ध आदि लोग मौजूद रहे। के पी सविता सदस्य अंत में पहुंचे। कुछ आवश्यक कार्यवश आज की मीटिंग आधा घंटे पूर्व समाप्त कर दी गई थी। आज बुद्ध विहार के बगल में अमेठी विधायक माननीया महराजी की निधि से प्रस्तावित खड़ंजे का निर्माण होते देखा गया। मजदूर वर्ग उस समय दोपहर की छुट्टी पर आराम फरमाते देखे गये।

'डार्लिंग तुम्हारे लिए पेपर आउट किया,मिलो', एलयू के प्रोफेसर ने छात्रा को फोन कर दबाव बनाया-हिरासत में

लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर परमजीत सिंह ने बीएससी फाइनल इयर की एक स्टूडेंट को फोन किया और छुट्?टी से वापस आने का दबाव बनाया। प्रोफेसर ने कहा- 'डार्लिंग, तुम्हारे लिए पेपर आउट करा दिया है। एग्जाम से पहले घर से आ जाओ। यहां पेपर तुम्हें दे देते हैं।' छात्रा से प्रोफेसर ने पूछा कि बच्चा, मम्मा ठीक हैं? इस पर छात्रा कहती है कि हां, ठीक हैं। इसके बाद प्रोफेसर उसे छुट्टी से जल्दी वापस आने को कहते हैं। बाद में फोन कटने पर वह ऑडियो में बोलती है- ये मुझे बुला रहे हैं। मुझे पेपर नहीं चाहिए। मुझे फिर से मोलेस्ट करना चाहते हैं। ऐसे ही दो ऑडियो सामने आए हैं। दूसरे ऑडियो में प्रोफेसर कह रहे हैं- मैं तुम पर फिदा हूं, धोखा मत देना प्लीज। इस मामले को यूनिवर्सिटी प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। असिस्टेंट प्रोफेसर के खिलाफ जांच शुरू करा दी गई है।

साथ ही केस दर्ज करने के लिए पुलिस से भी शिकायत की गई। पुलिस ने आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर को शुक्रवार रात हिरासत में भी ले लिया। आरोपी प्रोफेसर जूलॉजी डिपार्टमेंट से हैं। फोन कॉल पर उन्होंने छात्रा से दावा किया कि कोर या मेन सब्जेक्ट और इलेक्टिव (वैकल्पिक विषय) दोनों पेपर लीक कर दिए हैं। बातचीत के दौरान आरोपी प्रोफेसर छात्रा पर परीक्षा से पहले मिलने का दबाव बनाते भी सुनाई दे रहे हैं। हालांकि, छात्रा लगातार मिलने से इनकार करती सुनाई दे रही है। पढ़िए पहले ऑडियो की बातचीत-प्रोफेसर- बच्चा, मम्मा ठीक हैं? छात्रा- जी सर। सब ठीक है। प्रोफेसर- चलो अच्छा, कुछ भी अगर हेल्प चाहिए होगा तो बताना। केजीएमयू और पीजीआई में ज्यादातर डॉक्टर अपने जानने वाले हैं। ठीक है डार्लिंगष्ठ अगर आप कहोगे तो मैं खुद आ जाऊंगा। कोई फाइनेंशियल सपोर्ट चाहिए होगा तो भी बताना। तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। छात्रा- नहीं सर, कुछ ऐसी दिक्कत नहीं है। हो जाएगा सब काम। अभी थोड़ा घर पर भी देखना है। प्रोफेसर- नहीं बता दूंगा किस दिन मिलना होगा? कोर और इलेक्टिव दोनों पेपर मैंने तुम्हारे लिए आउट कर लिए हैं। छात्रा- नहीं सर, मैंने पढ़ तो लिया है। सिलैबस मेरा पूरा हो गया है। प्रोफेसर- अरे यार, मैंने तुम्हारे लिए पूरा पेपर निकालकर रख लिया। आ जाओ बस। छात्रा- पढ़ तो लिया है सर मैंने। प्रोफेसर- तो मिलने नहीं आओगी एक बार? छात्रा- सर, मम्मी को थोड़ा देख लें। इस चक्कर में घर में रुकना इंपॉर्टेंट है। प्रोफेसर- तो मुझे बताओ, कब तक आ जाओगी मिलने एक बार। छात्रा- सर घर पर थोड़ा स्टेबल हो जाए प्रोफेसर- तो मतलब विदिन सेवन डेज? छात्रा- सर, एग्जाम्स हो जाएं तो फिर आते हैं प्रोफेसर- मिलने आ जाओ, दोनों पेपर आउट कर लिए हैं तुम्हारे लिए- छात्रा- अच्छा मैं टूाई करती हूं। घर पर देखती हूं, जिस दिन निकल पाऊंगी, वैसी ही आती हूं।

आंधी-तूफान से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं विद्युत आपूर्ति बहाली के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़

ने जनपद में 13 मई को आए आंधी-तूफान से हुई क्षति के दृष्टिगत समस्त उपजिलाधिकारियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आंधी-तूफान के कारण हुई पशुहानि, आवासीय क्षति एवं अन्य नुकसान से संबंधित रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रभावित लोगों को शासन की मंशा के अनुरूप शीघ्र सहायता प्रदान की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है, वहां अधीक्षण अभियंता एवं अधिशासी अभियंता विद्युत द्वारा युद्धस्तर पर कार्य करते हुए विद्युत व्यवस्था शीघ्र बहाल कराई जाए। उन्होंने टूटे हुए विद्युत खंभों एवं क्षतिग्रस्त लाइनों को प्राथमिकता के आधार पर बदलने के निर्देश दिए तथा कहा कि जनपद के सभी क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि विद्युत आपूर्ति से संबंधित किसी भी समस्या की सूचना संबंधित अधिशासी अभियंता को तत्काल दें, जिससे समयबद्ध ढंग से समस्या का समाधान कराया जा सके। जिलाधिकारी ने पेयजल व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए तथा एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने को कहा। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अधीक्षण अभियंता एवं अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित किया कि सभी प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखते हुए युद्धस्तर पर कार्य किया जाए और जनसामान्य को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पूरी सतर्कता एवं गंभीरता के साथ राहत एवं पुनर्स्थापन कार्यों में जुटा हुआ है।

पेयजल योजना का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण,जून माह तक हर घर जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज दुद्धी क्षेत्र स्थित अमवार ग्राम समूह पेयजल योजना का औचक निरीक्षण कर परियोजना की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्देशित करते हुए कहा कि योजना के अंतर्गत किसी भी गांव में पेयजल आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए तथा जून माह तक प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।निरीक्षण के दौरान परियोजना प्रबंधक ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि अमवार ग्राम समूह पेयजल योजना के माध्यम से कनहर डैम से पानी उठाकर कुल 54 गांवों में जलापूर्ति की जानी है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में अमवार, बाघाडू, दिघुल, देवपुरा, टेड़ा एवं जामापानी सहित 6 गांवों में नियमित पेयजल आपूर्ति प्रारंभ कर दी गई है। जिलाधिकारी ने मौके पर ही ग्राम दिघुल के प्रधान से मोबाइल फोन पर वार्ता कर गांव में पेयजल आपूर्ति की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। ग्राम प्रधान द्वारा बताया गया कि गांव में लगभग 60 प्रतिशत घरों में अभी तक पाइपलाइन कनेक्शन नहीं हो सका है तथा जिन घरों में कनेक्शन दिए गए हैं, उनमें से भी बहुत कम घरों तक नियमित पानी पहुंच रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 250 मैनपावर लगाकर प्रतिदिन कम से कम 250 घरों में कनेक्शन देने का कार्य कराया जाए तथा जून माह तक सभी पात्र घरों में कनेक्शन पूर्ण कर जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जहां-जहां पाइपलाइन क्षतिग्रस्त है, वहां ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस टीम द्वारा तत्काल मरम्मत का कार्य कराया जाए, ताकि किसी भी गांव की जलापूर्ति प्रभावित न हो। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि यदि पाइपलाइन टूटने अथवा अन्य कारणों से किसी गांव की पानी आपूर्ति बाधित होती है तो संबंधित अधिकारियों एवं जिम्मेदार एजेंसी के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

आरक्षण हेतु महिला जनआक्रोश अभियान के तहत विपक्षी सांसद घेराव कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। चुर्क के मुसही गांव में सोनभद्र की ने महिला मोर्चा ने सांसद छोटेलाल खरवार के

भाजपा महिला मोर्चा की सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी निवास के पास धरना देकर नारेबाजी की इस आंदोलन का

के सांसद छोटेलाल खरवार के खिलाफ जन आक्रोश एवं धरना लगातार प्रदर्शन किया ।भाजपा महिला कार्यकर्ता 'सपा सांसद हाय-हाय' के नारे लगाते हुए सांसद के मुख्य द्वार के सामने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि संसद में महिला आरक्षण संशोधन बिल का समाजवादी पार्टी और कांग्रेस द्वारा विरोध किया जा रहा है, इसके तहत नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी क्रम में ओबरा विधानसभा 402की भाजपा महिला कार्यकर्ता ने धरना देकर की नारेबाजी की। भाजपा नेतृत्व कर रही महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह ने कहा कि कांग्रेस, सपा सहित समस्त विपक्षी दलों ने महिला विरोधी काम किया है। उन्होंने महिलाओं का अधिकार छीना है, जिसका पुरजोर विरोध किया जाएगा व आमजन तक इस प्रकरण को ले जाकर विपक्ष का महिला विरोधी चेहरा बेनकाब किया जाएगा भाजपा सरकार महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का काम कर रही है। जी ने कहा प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने सवाल उठाया कि जब महिलाएं घर और परिवार की जिम्मेदारी बेहतर ढंग से संभाल सकती हैं तो राजनीति और समाज की व्यवस्था क्यों नहीं संभाल सकतीं। खिलाफ जमकर नारेबाजी की महिला आरक्षण बिल लागू करने की बात आई तो सभी विपक्षियों ने मिलकर उसका विरोध किया आज सभी महिलाएं इस विरोध के चलते आज संसद का घेराव करने के लिए इकट्ठा हुई है क्योंकि यही सपा के लोग कांग्रेस के लोग महिला आरक्षण बिल का विरोध कर रहे हैं महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह ने कहा तो महिलाएं अपने अधिकार के लिए आज संसद का घेराव करने के लिए यहां इकट्ठी हुई है ताकि सभी को पता लग जाए की महिला अपने अधिकार के लिए हर समय खड़ी रहती हैं कार्यक्रम का संचालन कर रही जिला महामंत्री प्रमिला त्रिपाठी ने कहा 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी। इस मौके पर लोकसभा के संयोजक जिला उपाध्यक्ष अजीत रावत, लोकसभा संयोजक महिला मोर्चा अध्यक्ष पुष्पा सिंह जिला महामंत्री शारदा खरवार , जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह ,महामंत्री महिला मोर्चा गुड़िया त्रिपाठी , मीनू चौबे, सभासद रितु अग्रहरि ,सभासद रेणुकूट अंजना सिंह, माया गुप्ता ,सभासद जिला का समिति सदस्य किरण सिंह सविता सिंह,महिला मोर्चा सैकड़ो की संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

अंश निर्धारण कार्य में तेजी लाने हेतु जिलाधिकारी ने चलाया विशेष अभियान

16 मई तक ग्रामवार अभियान चलाकर खतौनी में अंश निर्धारण पूर्ण करने के जिलाधिकारी ने दिये निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि जनपद के ग्राम पंचायतों में अंश निर्धारण हेतु अभियान चलाया जा रहा है इस दौरान उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जनपद में 16 मई, 2026 तक पांच दिवसीय विशेष अंश निर्धारण अभियान चलाकर ग्रामवार खातेदार एवं सहखातेदारों की खतौनी में अंश निर्धारण कार्य को तेजी से पूर्ण कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक तहसील स्तर पर सुव्यवस्थित कार्य योजना तैयार कर क्षेत्रीय लेखपालों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाएं तथा लगातार मॉनिटरिंग करते हुए लक्ष्य की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अंश निर्धारण कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार

नहीं की जाएगी, अंश निर्धारण के कार्य में शिथिलता पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी , उन्होने यह भी निर्देश दिए है कि सभी क्षेत्रीय लेखपाल ग्रामवार कार्य योजना तैयार कर अपनी प्रगति प्रत्येक दिन तीन घंटे के अंतराल पर गूगल शीट में अनिवार्य रूप से अंकित करेंगे, जिससे कार्यों की नियमित समीक्षा एवं प्रभावी निगरानी की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान के माध्यम से लंबित अंश निर्धारण प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कर राजस्व अभिलेखों को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाया जाएगा, जिससे आमजन को राजस्व संबंधी कार्यों में सहूलियत प्राप्त होगी। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देश के क्रम में आज अंश निर्धारण अभियान के तृतीय दिवस में सांय 06:00 बजे तक तहसील रावर्टसगंज में 764, तहसील घोरावल में 529, तहसील ओबरा 473, तहसील दुद्धी 2196 अंश निर्धारण की कार्यवाही की गयी, जनपद में कुल 3962 अंश निर्धारण किये गये है।

अंश निर्धारण अभियान के अंतर्गत कुल तीन दिवस में सायं 06:00 बजे तक चारो तहसीलो में कुल 13188 अंश निर्धारण की गयी कार्यवाही

सोनभद्र के गुलाब-जामुन को मिलेगी वैश्विक पहचान,एक जिला, एक व्यंजन योजना के तहत किया गया शामिल

कारीगरों को प्रशिक्षण के साथ ही सरकार उपलब्ध कराएगी आर्थिक सहायता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र । 15 मई। संपूर्ण देश की ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करने में खास स्थान रखने वाला उत्तर प्रदेश का सोनभद्र जिला अब अपने यहां के खास गुलाब जामुन के लिए भी देश-विदेश में जाना जाएगा। प्रदेश की योगी सरकार ने एक जिला, एक व्यंजन (ओडीओसी) योजना के तहत सोनभद्र में बनने वाले स्वादिष्ट गुलाब जामुन को शामिल किया है। सरकार के इस फैसले से स्थानीय कारीगरों के लिए सुनहरे भविष्य के द्वार खुल जाएंगे। ?जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र के उपायुक्त विनोद कुमार चौधरी ने बताया कि सरकार ने इस मुहिम को गति देने के लिए एक विशेष सेल बनाने का निर्णय लिया है। यह सेल न केवल गुलाब जामुन के कारोबार से जुड़े उद्यमियों की समस्याओं का समाधान करेगी। बल्कि उन्हें व्यापार बढ़ाने के लिए जरूरी आर्थिक सहायता और बैंक लोन की सुविधाएं भी सुनिश्चित कराएगी।

सरकार का लक्ष्य है कि छोटे स्तर पर काम कर रहे कारीगरों को उद्यमी के रूप में विकसित किया जाए। देश-दुनिया चखेगी स्वाद, कारीगरों का निखरेगा हुनर-उन्होंने बताया कि गुलाब जामुन बनाने वाले कारीगरों के पारंपरिक हुनर को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए सरकार विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाएगी। इसमें व्यंजनों की पैकेजिंग, गुणवत्ता, स्वच्छता के मानक और लंबी शेल्फ-लाइफ सुनिश्चित करने के गुर सिखाए जाएंगे। जिससे सोनभद्र में बने ये गुलाब जामुन बिना खराब हुए देश-विदेश के बाजारों तक पहुंच सकें। उपायुक्त ने बताया कि जिले में गुलाब जामुन बनाने वाली 200 से अधिक ईकाइयां क्रियाशील हैं, जहां पर 300 से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। ऐसे में ओडीओसी के तहत गुलाब जामुन का चयन होने के बाद इसके कारोबार से जुड़े लोगों के लिए संभावनाओं के नए द्वार खुल जाएंगे। अनूठी सुगंध व खाने में बेहद नरम बनाते हैं गुलाब जामुन को खास मिष्ठान- गुलाब जामुन बनाने वाले संतोष कुमार मोदनवाल ने बताया कि गुलाब जामुन मुख्यतः मैदा, खोवा व चीनी से बनाया जाता है। यह अपनी सुगंध व खाने में मुलायम होने के कारण बहुत प्रसिद्ध हैं। इसमें इलायची, केसर व काजू-पिस्ता-बादाम का मिश्रण भी तैयार कर निश्चित मात्रा में मिलाया जाता है जिससे इसका स्वाद लोगों को अपना दीवाना बना देता हैं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

गर्मियों में खराब होता पाचन, अपच, एसिडिटी की समस्या, कुछ फूड अवॉइड करें

नयी दिल्ली। क्या आपने भी नोटिस किया है कि गर्मियों में डाइजेशन अक्सर खराब हो जाता है? यह सिर्फ खानपान की गलती नहीं, बल्कि शरीर के अंदर होने वाले बदलावों का असर होता है। जिससे ब्लड फ्लो स्किन की तरफ शिफ्ट हो जाता है।इसके कारण डाइजेस्टिव पाचन क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसके पीछे वैज्ञानिक कारण हैं- गर्मी में शरीर का तापमान बढ़ता है, जिससे डायरिया या गट इंफेक्शन का रिस्क बढ़ता है। मेटाबॉलिज्म-शरीर का बेसल मेटाबॉलिक रेट गर्मी में थोड़ा कम हो सकता है क्योंकि शरीर को हीट प्रोडक्शन कम गर्मियों में किन लोगों को डाइजेस्टिव समस्याओं का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- किसी भी हेल्थ प्रॉब्लम का रिस्क सबसे ज्यादा उन लोगों को होता है, जिनकी इम्यूनिटी ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। लंबे समय तक बैठे रहने से मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे फूड-ब्रेकडाउन प्रभावित होता है। जल्दी-जल्दी या जरूरत से

ज्यादा तापमान, डिहाइड्रेशन और लाइफस्टाइल की छोटी-छोटी गलतियां पाचन तंत्र की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में सही फूड चॉइस और खाने का टाइम समझना बेहद जरूरी है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज समझेंगे कि गर्मियों में डाइजेशन क्यों कमजोर हो जाता है। साथ ही जानेंगे कि- किन फूड्स-ड्रिंक्स को अवॉइड करना चाहिए? कौन-सी चीजें डाइजेस्टिव सिस्टम को कूल और एक्टिव रखती हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. नरेंद्र कुमार सिंगला, प्रिंसिपल कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से-

सवाल- क्या ये फैक्ट है कि गर्मियों में पाचन तंत्र की खाना पचाने की क्षमता कम हो जाती है? जवाब- हां, गर्मियों में ज्यादा तापमान, डिहाइड्रेशन और लाइफस्टाइल की छोटी-छोटी गलतियां पाचन तंत्र की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में सही फूड चॉइस और खाने का टाइम समझना बेहद जरूरी है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज समझेंगे कि गर्मियों में डाइजेशन क्यों कमजोर हो जाता है। साथ ही जानेंगे कि- किन फूड्स-ड्रिंक्स को अवॉइड करना चाहिए? कौन-सी चीजें डाइजेस्टिव सिस्टम को कूल और एक्टिव रखती हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. नरेंद्र कुमार सिंगला, प्रिंसिपल कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से-

सवाल- इस मौसम में कौन-से फूड्स और ड्रिंक्स अवॉइड करने चाहिए, जो पाचन बिगाड़ते हैं? जवाब- डीप फ्राइड फूड्स जैसे पकौड़े, समोसे और चिप्स देर से पचते हैं और हीट प्रोडक्शन बढ़ाते हैं। गर्मियों में पानी से भरपूर और सुपाच्य फूड पेट पर कम दबाव डालते हैं और डाइजेस्टिव प्रोसेस को आसान बनाते हैं। सवाल- गर्मियों में खाने का सही टाइम और पोर्शन साइज क्या होना चाहिए, ताकि पेट पर दबाव न पड़े? जवाब- सुबह उठने के 1 घंटे के भीतर हल्का नाश्ता लेने से मेटाबॉलिक प्रोसेस समय पर शुरू होता है। दिन में हर 3-4 घंटे पर छोटे मील्स लेने से गैस्ट्रिक ओवरलोड और एसिडिटी का रिस्क कम होता है। लंच को दिन का मुख्य भोजन बनाएं। इस समय डाइजेस्टिव एंजाइम्स की एक्टिविटी अपेक्षाकृत बेहतर होती है। एक बार में बहुत ज्यादा खाने की बजाय 60-70फीसदी पेट भरने का तरीका अपनाएं। सवाल- अगर गर्मियों में बार-बार अपच, उल्टी और दस्त हो तो क्या डॉक्टर को दिखाना जरूरी है?जवाब- हां, 2-3 दिनों से ज्यादा समय तक लक्षण बने रहने पर इन्फेक्शन या फूड पॉइजनिंग का रिस्क होता है। तेज बुखार, पूप में ब्लड या बहुत ज्यादा कमजोरी जैसे संकेत का मतलब मेडिकल अटेंशन की जरूरत है। बच्चों, बुजुर्गों और प्रेग्नेंट महिलाओं को जल्दी सलाह लेनी चाहिए। बार-बार अपच गैस्ट्राइटिस या इरिटेबल बाउल जैसी समस्याओं से भी जुड़ी हो सकती है। डॉक्टर जरूरत के अनुसार ओरल रिहाइड्रेशन, दवाएं या टेस्ट सलाह दे सकते हैं। समय पर इलाज से बड़ी परेशानी से बच सकते हैं।

गर्मियों में बदलें अपनी डाइट,ये 20 चीजें खाएं, 9 फूड्स अवॉइड करें,जानें कंप्लीट समर डाइट प्लान

नयी दिल्ली। गर्मियों में शरीर की जरूरतें बदल जाती हैं। तेज धूप के कारण पसीने के साथ शरीर से पानी और जरूरी मिनरल्स निकल जाते हैं। अगर खानपान में बदलाव न किया जाए तो डिहाइड्रेशन, कमजोरी, चक्कर, अपच और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं हो सकती है। गर्मी से राहत के लिए कुछ लोग कोल्ड ड्रिंक्स और आइसक्रीम का सहारा लेते हैं, जो शरीर को इंस्टेंट राहत तो देते हैं, लेकिन सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में हम परफेक्ट समर डाइट प्लान समझेंगे। साथ ही जानेंगे कि-गर्मियों में शरीर की न्यूट्रिशन की जरूरत कैसे बदलती है? गर्मियों में कौन से फूड्स नहीं खाने चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर- 'वनडाइडटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से-सवाल- गर्मियों की डाइट दूसरे मौसम से अलग क्यों होनी चाहिए? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- गर्मियों में शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए बॉडी लगातार पसीना निकालती है। इस प्रक्रिया में पानी और सोडियम-पोटेशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स बाहर निकलते हैं। इससे डिहाइड्रेशन और कमजोरी का रिस्क बढ़ता है। ज्यादा गर्मी में शरीर का ब्लड फ्लो स्किन की तरफ बढ़ जाता है ताकि गर्मी बाहर निकल सके। इससे डाइजेस्टिव सिस्टम को कम ब्लड मिलता है और यह थोड़ा स्लो हो जाता है। इसलिए गर्मियों में हल्का, पानी से भरपूर और सुपाच्य भोजन बेहतर माना जाता है। सवाल- गर्मी के मौसम में शरीर की न्यूट्रिशन की जरूरत कैसे बदलती है? जवाब- इस दौरान शरीर जल्दी डिहाइड्रेट होता है और एनर्जी लॉस भी ज्यादा होता है। इसलिए डाइट में पानी के साथ ऐसे पोषक तत्व जरूरी हैं, जो शरीर को हाइड्रेट, एनर्जेटिक और संतुलित रखें। गर्मियों में विटामिन-सी, पोटेशियम, मैग्नीशियम और फाइबर से भरपूर फल-सब्जियां ज्यादा फायदेमंद होती हैं। प्रोटीन के लिए हल्के और आसानी से पचने वाली चीजें जैसे दही, छाछ, दाल और स्प्राउट्स बेहतर हैं।

ज्यादा ऑयली, प्रोसेस्ड और शुगरी चीजें शरीर पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं। सवाल- गर्मियों में कौन-सी चीजें डाइट में शामिल करनी चाहिए? जवाब- ऐसी चीजें, जो शरीर को ठंडक दें, पानी की कमी पूरी करें और पचने में आसान हों। जैसे हरी सब्जियां, मौसमी फल, साग, नारियल पानी, दही, छाज, नीबू पानी, आम पना, पुदीना, बेल का शरबत। सवाल- गर्मियों में खाने से जुड़ी किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- खाने से पहले साबुन से हाथ जरूर धोएं। साथ ही कुछ बातों का खास ख्याल रखें- सुबह हल्का नाश्ता करें और दोपहर में संतुलित भोजन लें। रात को सोने से 3-4 घंटे पहले हल्का डिनर लें। बीच-बीच में फल, सलाद या लिक्विड चीजें लें, ताकि शरीर हाइड्रेटेड और एनर्जेटिक बना रहे। घर का बना ताजा खाना ही खाएं। एक बार में ज्यादा खाने के बजाय दिन में 4-5 बार थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खाएं। सवाल- गर्मी में ब्रेकफास्ट से लेकर डिनर तक परफेक्ट समर डाइट प्लान कैसा होना चाहिए? जवाब- सुबह इन चीजों से शुरुआत कर सकते हैं- खाली पेट जीरे का पानी। सौंफ का पानी। धनिया का पानी। पुदीने का पानी। इनमें स्वाद के लिए नींबू भी डाल सकते हैं। नाश्ते से डिनर तक परफेक्ट समर डाइट प्लान- सुबह खाली पेट नींबू पानी / गुनगुना पानी, ब्रेकफास्ट-पोहा/ओट्स दही फल, मिड-मॉर्निंग- नारियल पानी/ तरबूज, लंच- दाल, सब्जी, रोटी/ चावल प्लस सलाद छाछ, डिनर- खिचड़ी / दलिया हल्की सब्जी, ईवनिंग- स्नैक्स मखाना / भुना चना प्लस लस्सी / नींबू पानी, डिनर में खिचड़ी, दलिया प्लस हलकी सब्जी। सवाल- कौन-से फूड्स शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखने में मदद करते हैं? जवाब- गर्मियों में ऐसे फूड्स फायदेमंद हैं, जिनमें पानी ज्यादा हो और जो इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर हों। कुछ फूड्स जो शरीर को ठंडा रखते हैं जैसे- तरबूज, खरबूज, अनानास, पपीता, स्ट्रॉबेरी, खीरा, ककड़ी, टमाटर,सलाद, दही, छाज, लस्सी, नारियल पानी, निम्बू पानी, गन्ने का रस, बेल का शरबत, सत्तू का घोल, पुदीना ड्रिंक। सवाल- गर्मियों में कौन से फूड्स नहीं खाने चाहिए? जवाब- गर्मियों में ऐसे फूड्स से बचना चाहिए, जो बॉडी डिहाइड्रेट करते हैं या पचाने में मुश्किल होते हैं। जैसेकि- बेकरी आइटम्स (पेस्ट्री, क्रीम बिस्किट) पैकेज्ड जूस खुले में कटे फल, स्ट्रीट फूड, मेयोनीज-बेस्ड फूड्स सवाल- गर्मी में डाइट से जुड़ी कौन-सी आम गलतियां सेहत को नुकसान पहुंचाती हैं? जवाब- खानपान से जुड़ी छोटी-छोटी गलतियां भी डिहाइड्रेशन, डाइजेस्टिव इश्यू और कमजोरी का कारण बन सकती हैं। जैसेकि- पानी कम पीना। धूप से आते ही ठंडा पानी पीना। तला-भुना खाना। कोल्ड ड्रिंक पीना। मील स्किप करना। ज्यादा चाय-कॉफी पीना। बासी/बाहर का भोजन करना। सवाल- किन लोगों को गर्मियों में अपनी डाइट को लेकर ज्यादा सावधान रहना चाहिए? जवाब- कुछ लोगों पर डिहाइड्रेशन और हीट से जुड़ी समस्याओं का रिस्क ज्यादा होता है। इसलिए उन्हें डाइट को लेकर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। जैसेकि- जो डायबिटिक हैं। जिन्हें हार्ट/किडनी से जुड़ी समस्याएं हैं। जो बाहर काम करते हैं। जिन्हें पहले से कोई हेल्थ कंडीशन है। जो ज्यादा फिजिकली एक्टिव रहते हैं। छोटे बच्चे, बुजुर्ग। गर्भवती महिलाएं। समर डाइट से जुड़े कुछ सवाल और जवाब सवाल- क्या गर्मियों में सिर्फ पानी पीना ही काफी है? जवाब- नहीं, पानी के साथ इलेक्ट्रोलाइट्स और हाइड्रेटिंग फूड भी जरूरी हैं। सवाल- क्या गर्मियों में भूख कम लगना सामान्य है? जवाब- हां, लेकिन खाना स्किप नहीं करना चाहिए। थोड़ा-थोड़ा करके कई बार में खाना चाहिए। सवाल- क्या बहुत ज्यादा ठंडा पानी पीना सही है? जवाब- नहीं, इससे पाचन प्रभावित हो सकता है। सवाल- क्या गर्मियों में दही और छाछ रोज लेना फायदेमंद है? जवाब- हां, ये शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखते हैं। सवाल- क्या पैकेज्ड जूस हाइड्रेशन के लिए अच्छा विकल्प है? जवाब- नहीं, इसमें शुगर ज्यादा होती है। इसलिए ताजे फल खाना बेहतर है। कुल मिलाकर गर्मी में सही डाइट अपनाना सिर्फ हेल्दी रहने के लिए नहीं, बल्कि गंभीर बीमारियों से बचने के लिए भी जरूरी है।

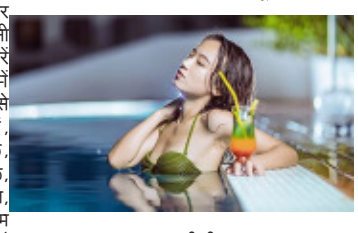

शोर का प्रदूषण एक 'साइलेंट' संकट, यह लगातार प्रभावित कर रहा है

साल 2012 में मुझे फ्रांस के प्रतिष्ठित पास्चर इंस्टीट्यूट में है। सड़कों पर वाहनों के हॉर्न, अनवरत हो रहे निर्माण कार्यों की कि सर्दियों में वायु प्रदूषण, गर्मियों में जल संकट और हीट वेव, या स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, यह हमारी उत्पादकता, मानसिक

वैक्सीनोलॉजी का अध्ययन करने का अवसर मिला। वहां के कोर्स डायरेक्टर्स से मेरे अच्छे संबंध बन आवाज और सार्वजनिक स्थलों का अनियंत्रित ध्वनि स्तर- ये सब मिलकर ऐसा वातावरण बना रहे ठंड के मौसम में कोल्ड वेव पर तो बात करते हैं- लेकिन ध्वनि प्रदूषण- जो साल भर रहता है- उस पर संतुलन और सामाजिक व्यवहार को भी प्रभावित करता है। लगातार शोर में रहने वाला व्यक्ति अधिक

गए थे। कुछ वर्षों बाद जब वे भारत आए, तो मैंने उन्हें एक जाने-माने 'फाइन डाइनिंग' रेस्तरां में डिनर पर आमंत्रित किया। सब कुछ व्यवस्थित था-खाना, माहौल, सेवा- लेकिन एक चीज ने पूरे अनुभव को असहज बना दिया : शोर।

मेरे मेहमान बातचीत करने में असुविधा महसूस कर रहे थे। उसी दिन मुझे एहसास हुआ कि हम अपने आसपास शोर के इतने अभ्यस्त हो चुके हैं कि उसकी समस्या पर गौर तक नहीं करते। आज भारत के शहरों में शोर केवल एक कोलाहल भरी पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि स्थायी वास्तविकता बन चुका हैं, जो धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है।भारतीय शहर दुनिया के सबसे शोरगुल वाले शहरों में गिने जाते हैं। दिल्ली में शोर का औसत स्तर लगभग 75 डेसिबल तक पहुंच चुका है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन दिन के समय 55 डेसिबल की सीमा को सुरक्षित मानता है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु जैसे महानगरों में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है- अधिकांश क्षेत्रों में शोर का स्तर 65 से 75 डेसिबल के बीच रहता है और व्यस्त समय में यह 90 से 100 डेसिबल तक पहुंच जाता है।चिंताजनक बात यह है कि हम मौसमी चुनौतियों- जैसे कम ध्यान दिया जाता है। जबकि लंबे समय तक 70 डेसिबल से अधिक शोर के सम्पर्क में रहने से हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।हर 10 डेसिबल की वृद्धि के साथ हृदय संबंधी जोखिम लगभग 8 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। बच्चों में सीखने की क्षमता प्रभावित होती है, गर्भवती महिलाओं में जटिलताएं बढ़ती हैं और बुजुर्गों में नींद की समस्या आम हो जाती है। भारत में 6 करोड़ से अधिक लोग सुनने की समस्या से जूझ रहे हैं और ध्वनि प्रदूषण इसका एक बड़ा कारण बनता जा रहा है।शोर का प्रभाव केवल चिड़चिड़ा, थका हुआ और ध्यान केंद्रित करने में कम सक्षम होता है। ऐसे में समाज की समग्र कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है। वैसे हमारे पास नियमों की कमी नहीं है।पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत ध्वनि प्रदूषण (नियमन एवं नियंत्रण) नियम बनाए गए थे। लेकिन समस्या नियमों की नहीं, उनके पालन की है। सड़कों पर अनावश्यक हॉर्न बजाना, देर रात तक डीजे या लाउडस्पीकर का उपयोग और निर्माण स्थलों पर समय-सीमा का उल्लंघन- ये सब आम हो चुके हैं। कानूनों का सख्त पालन

कला में डूबे रहें, ये आपकी उम्र बढ़ने की रफ्तार घटाएगा

क्या आपको दादाजी-नानाजी का दौर याद है? वे हर शाम कहां जाते थे- किसी मंदिर में, स्कूल या सामुदायिक सांस्कृतिक मीटिंग में। कॉन्सर्ट, घुमंतू मंडली का ड्रामा। कभी बच्चों का 'अरंगेत्रम', जिसमें वे पहली बार सार्वजनिक नृत्य प्रस्तुति देते थे या फिर दक्षिण भारत कम से कम एक साल तक धीमी हो सकती है। रिसर्च कहती है कि आज के दौर की सांस्कृतिक गतिविधियों में पढ़ना, म्यूजिक में 12 मई को मेरी बेटी न्यूयॉर्क के म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट गई थी और पूरे दिन में वह पांच मंजिला इमारत के तीन से ज्यादा फ्लोर

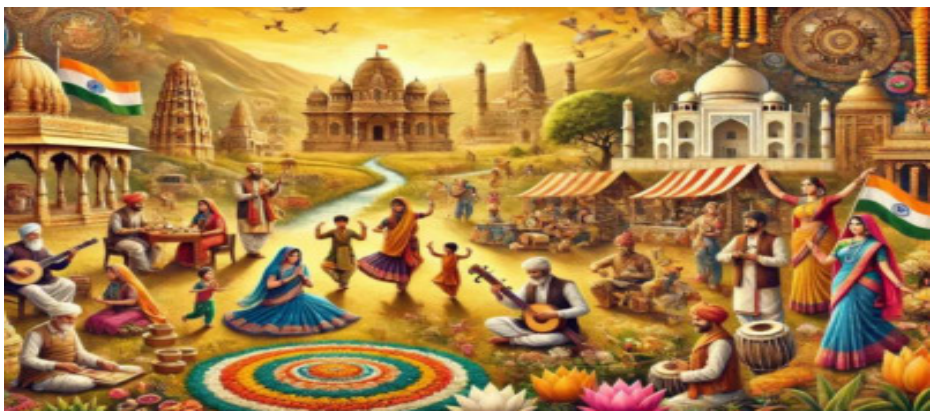

हमारी दादी-नानी अकसर रसोई में कहती रहती थीं- 'पता नहीं उन जगहों पर ऐसा क्या है कि दिनभर के काम से लौटने के बाद 15 मिनट भी घर नहीं रुकते।'दूसरों के बारे में तो नहीं जानता, लेकिन हमारी चॉल में उस दौर के ज्यादातर बुजुर्ग किसी न किसी सांस्कृतिक गतिविधि में जरूर व्यस्त रहते थे। बाद में मेरे पिता भी ऐसे ही हो गए। नागपुर में 'सरस्वती विद्यालय' संचालित करने वाली संस्था 'साउथ इंडियन एसोसिएशन' में उनकी सोमवार को मीटिंग होती थी।इसी स्कूल में मैं पढ़ा था और तीन यूनिट्स में फैले उन 150 घरों के लगभग 90% बच्चे वहीं पढ़ते थे। उन घरों के ज्यादातर लोग किसी न किसी मंदिर से जुड़े थे, जिनकी मीटिंग मंगलवार या गुरुवार को होती थीं। शनिवार, रविवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम होते थे।जैसे, कर्नाटक म्यूजिक से कोई संत आकर 15 दिन या एक महीने तक रामायण, भगवान शिव, उनके पुत्र भगवान कार्तिकेय या दुर्गा मां जैसे विषयों पर धार्मिक प्रवचन देते थे। अब इस विषय से अलग एक बात बताता हूं। मेरे परिवार के और जहां मैंने बचपन बिताया, उस इलाके के ज्यादातर पुरुष- जो खुद को सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रखते थे- 90 साल से ज्यादा या कम से कम 80 के पार तो जरूर जिए। जबकिउनकी पत्नियां पहले गुजर गईं। तब हममें से किसी को नहीं पता था कि इसका कला-संस्कृति में समय बिताने से भी कोई संबंध हो सकता है।लेकिन मुझे यह किस्सा इस बुधवार को याद आया, जब मैंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन की एक रिसर्च पढ़ी कि हफ्ते में एक बार सांस्कृतिक गतिविधि में शामिल होने से उम्र बढ़ने की रफ्तार कॉन्सर्ट सुनना, आर्ट गैलरी और थिएटर जाना, पेंटिंग करना, वाद्ययंत्र बजाना, आर्ट डॉक्यूमेंट्री देखना और म्यूजियम या प्रदर्शनियों में जाना शामिल है।दरअसल, अपने वयस्क जीवन से ज्यादा सांस्कृतिक कार्यक्रम मैंने बचपन में अपने ग्रैंडपैरेंट्स के साथ देखे थे। मेरे नाना सुबह-शाम मंदिर जाना कभी नहीं छोड़ते थे। उन्हीं से मुझे संगीत कार्यक्रम और प्रवचन सुनने की आदत लगी। यहां तक कि आज भी मैं पवई फाइन आर्ट्स सोसाइटी और षणमुखानंद सभा जैसी कई 'सभाओं' का आजीवन सदस्य हूं। लाइव परफॉर्मेंस देखना मेरे लिए बेहद आनंददायक होता है। चूंकि मैं खुद भी परफॉर्मर हूं, इसलिए कलाकारों की बॉडी लैंग्वेज, शब्द-चयन और हास्यबोध से सीखता हूं। लाइव परफॉर्मेंस मुझे सिनेमा से ज्यादा ?सिखाती हैं। हाल ही नहीं देख पाई। मुंबई में बैठे-बैठे उसने मुझे वीडियो कॉल पर वे फ्लोर दिखाए। नतीजतन, आज मैं मॉडर्न आर्ट पर पांच मिनट तो बात कर ही सकता हूं। ऐसे जुड़ाव मुझे अपनी 'सिसिफस' जैसी अंतहीन टु-डु लिस्ट के बारे में सोचते रहने से बचाते हैं। फिर चाहे यह स्टेडियम में फुटबॉल या क्रिकेट मैच देखना ही क्यों न हो, मुझे बाहर जाकर ऐसी चीज से जुड़ना पसंद है, जो मुझसे बहुत बड़ी हो और जिसे मैं अकेला नहीं कर सकता। किसी दूसरी दुनिया में झांकना और अपनी संभावनाओं को समझना मुझे रोमांचित करता है। फंडा यह है कि आधुनिक रिसर्च भले यह दावा करती हो कि सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होने से जिंदगी के कुछ साल बढ़ जाते हैं, लेकिन शायद हमारे बुजुर्ग शायद पहले से यह जानते थे कि निश्चित ही इससे जिंदगी ज्यादा अर्थपूर्ण बन जाती है। एन. रघुरामन

कूटनीति से कारोबार के मेल की ट्रम्प-शैली अनुचित है

यदि कोई नेता अहम कूटनीतिक जिम्मेदारियां अपने परिजनों और चलिए, विटकॉफ से शुरू करते हैं। पिछले साल पाकिस्तान ने शुरू की और खाड़ी देशों की राजशाहियों से अरबों डॉलर भी 'टिकटॉक' में निवेश से मोटा फायदा कमा चुके हैं।

बिजनेस साझेदारों को सौंप दे तो ज्यादातर लोकतांत्रिक देशों में उसे भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा। लेकिन ट्रम्प को ऐसा करने पर बहुत कम विरोध झेलना पड़ा है। कई लोग उनकी इस 'क्रोनी डिप्लोमेसी' को गैर-पारम्परिक कार्यशैली कह देते हैं। लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम गंभीर हैं। विदेश मंत्री या पेशेवर कूटनीतिज्ञों पर भरोसा करने के बजाय ट्रम्प ने अहम जिम्मेदारियां अपने दामाद जैरेड कुश्नर और बिजनेस-पार्टनर स्टीव विटकॉफ को सौंप दी हैं।कुश्नर ट्रम्प के पहले कार्यकाल में भी वरिष्ठ सलाहकार थे और इजराइल तथा अरब देशों के बीच अब्राहम समझौता कराने में उनकी भूमिका रही थी। कुश्नर और विटकॉफ यूक्रेन, गाजा और ईरान पर वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन दोनों के पास ही जटिल और महत्वपूर्ण कूटनीतिक चुनौतियां हल करने का कोई पिछला अनुभव नहीं है। फिर, दोनों के हितों का टकराव भी साफ नजर आ रहा है। क्रिप्टोकरेंसी कंपनी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (डब्ल्यूएलएफ) के साथ एक विवादित निवेश समझौता किया था। इस कंपनी के सीईओ विटकॉफ के बेटे जैक हैं और कंपनी में ट्रम्प और विटकॉफ परिवार की मालिकाना हिस्सेदारी है। इस साल जनवरी में इसी कंपनी से जुड़ी एक इकाई ने पाकिस्तान के साथ एक और समझौता किया। यह कंपनी द्वारा स्टेबलकॉइन शुरू करने को लेकर था, जिसका सीमा पार लेनदेन के लिए इस्तेमाल हो सके।लेकिन यूएस-ईरान के बीच पाकिस्तान में ही वार्ता हुई है और पाकिस्तान वार्ता का मध्यस्थ भी था। जब अलग-अलग पक्ष एक इलाके में भू-राजनीतिक परिणाम तय कर रहे हों और कारोबार के अवसर भी तलाश रहे हों तो कूटनीति बाजार जैसी लगने लगती है। पहुंच, प्रभाव और मुनाफा आपस में जुड़ी चीजें हैं। अब कुश्नर की बात करें तो ट्रम्प के पहले कार्यकाल के बाद उन्होंने 'एफिनिटी पार्टनर्स' नाम की एक निजी इक्विटी फर्म जुटाए। इसमें सऊदी अरब के सॉवरेन वेल्थ फंड के करीब 2 अरब डॉलर भी शामिल हैं।यानी, कुश्नर सऊदी पूंजी पर निर्भर हैं, लेकिन इसके बावजूद उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे ईरान के साथ संबंध सुधारने पर बातचीत करेंगे। जबकि सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान कथित तौर पर ट्रम्प से युद्ध जारी रखने की गुहार लगा रहे हैं। कुश्नर और विटकॉफ के हितों के टकराव और विदेश नीति में उनकी अनुभवहीनता अपने आप में यह बताती है कि क्यों ट्रम्प ने उन्हें आधिकारिक कूटनीतिक पदों पर नियुक्त नहीं किया।विशेष दूतों को सीनेट द्वारा पुष्टि की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता। पेशेवर कूटनीतिज्ञों की तरह उन पर नैतिक नियमों और संसद की निगरानी की बाध्यता भी नहीं होती। ऐसे में कुश्नर और विटकॉफ अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर सकते हैं और बिना जवाबदेही के अमेरिका की ओर से बातचीत भी कर सकते हैं। ट्रम्प के सहयोगी लैरी एलिसन

ट्रम्प के बेटों एरिक और डोनाल्ड जूनियर ने भी हाल ही में 'पावरस' नामक ड्रोन कंपनी जॉइन की है। वे अपने पिता द्वारा शुरू किए युद्ध में ईरान के हमलों का जवाब देने के लिए खाड़ी देशों को ड्रोन इंटरसेप्टर बेचने की जुगत में हैं। अब तो ईरान युद्ध को लेकर संभावित इनसाइडर ट्रेडिंग की खबरें भी सामने आ रही हैं।बताया जाता है कि ट्रम्प के बाजार को प्रभावित करने वाले सार्वजनिक बयानों से ठीक पहले बड़े दांव लगाए गए। ऐसे घोटाले किसी भी पिछली अमेरिकी सरकार को गिरा सकते थे या कम से कम तत्काल जांच शुरू करा सकते थे, पर ट्रम्प शासन में वो आम बात हो गए हैं।यूएस-ईरान वे बीच पाकिस्तान में ही वार्ता हुई और वह वार्ता का मध्यस्थ भी था। जब अलग-अलग पक्ष ए क इलाके में भू-राजनीतिक परिणाम तय कर रहे हों और कारोबार के अवसर भी खोज रहे हों तो कूटनीति बाजार जैसी लगने लगती है।(प्रोजेक्ट सिंडिकेट, ब्रह्मा चेलानी)

अमेरिका में बढ़ता नस्लवाद भारतवंशी नेताओं के लिए चुनौती है

भारतीय-अमेरिकी मूल के सॉफ्टवेयर आंत्रप्रेन्योर विवेक था। वहीं साउथ कैरोलाइना में एक सिख माता-पिता के घर निमरत अमेरिका ग्रेट अगेन' यानी 'मागा' समर्थक आधार ऐसे कम पढ़े-लिखे

रामास्वामी अपनी हिंदू पहचान को छिपाने की कोशिश नहीं करते। पिछले हफ्ते उन्होंने ओहायो के गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन जीत लिया। ओहायो में राज्य विधानसभा के दोनों सदनों, गवर्नर कार्यालय और सभी प्रमुख सरकारी संस्थानों पर रिपब्लिकन पार्टी का नियंत्रण है। अमेरिकी राजनीति में गवर्नर का कद भारत के किसी मुख्यमंत्री जैसा होता है। ऐसा नहीं ?है कि रामास्वामी किसी अमेरिकी राज्य के पहले भारतीय मूल के गवर्नर होंगे। इससे पहले बॉबी जिंदल लुइसियाना के और निक्की हेली साउथ कैरोलाइना की गवर्नर रह चुकी हैं। लेकिन रामास्वामी उन दोनों से अलग हैं। जिंदल ने श्वेत ईसाई अमेरिकी समुदाय में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने वे लिए ईसाइयत अपनाकर खुद का नाम पीयूष की जगह बॉबी रख लिया रंधावा के रूप में जन्मीं हेली ने भी सिख धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपना लिया था। इनके विपरीत रामास्वामी को अपनी हिंदू पृष्ठभूमि पर गर्व है। वे शान से अपनी पत्नी अपूर्वा और बेटों कार्तिक व अर्जुन का नाम लेते हैं। जिंदल और हेली की तरह रामास्वामी भी अमेरिका में जन्मे हैं, लेकिन उन्होंने अपने बच्चों के नामों का अमेरिकीकरण करने या उनकी हिंदू धारणाओं को बदलने की कोशिश नहीं की। ईसाई धर्म अपनाने के बावजूद जिंदल और हेली अमेरिकी राजनीति में ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाए। क्या रामास्वामी इसमें सफल होंगे?जिंदल और हेली की तुलना में आज रामास्वामी के सामने सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियां कहीं अधिक हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने नस्लवाद और वाइट सुप्रीमेसी को मुख्यधारा में ला दिया है। ट्रम्प का 'मेक और बेरोजगार अमेरिकियों से बना है, जिन्हें डर है कि भारतीय और चीनी आप्रवासी उनकी नौकरियां खा रहे हैं। ओहायो में प्रचार के दौरान रामास्वामी को इतनी ऑनलाइन नस्लवादी नफरत का सामना करना पड़ा कि उन्होंने अपने इंस्टाग्राम और 'एक्स' अकाउंट का इस्तेमाल ही बंद कर दिया। ये अकाउंट अब उनकी टीम अपडेट करती है। ट्रम्प प्रशासन की आप्रवासियों के ?खिलाफ इस्तेमाल की जाने वाली भाषा ने अमेरिका में इस विषैले माहौल को और हवा दे दी है। अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रम्प ने रामास्वामी को इलॉन मस्क वे साथ 'डीओजीई' (डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट इफिशिएंसी) का सह-प्रमुख बनाया था। लेकिन जल्द ही दोनों के बीच टकराव हो गया। रंगभेद नीति के जमाने में दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और पले-बढ़े मस्क खुद को नस्लवादी नहीं मानते, लेकिन उनके खुद के 'एक्स' हैंडल पर वाइट सुप्रीमेसी और पश्चिमी सभ्यता को बचाने संबंधी पोस्ट भरे पड़े हैं। अमेरिका में नफरती और नस्लभेदी बयानबाजी पर 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' में लिखे एक ?लेख में रामास्वामी ने कहा कि अमेरिकी दक्षिणपंथ में अब दो दृष्टिकोण उभर रहे हैं और दोनों ही परस्पर विरोधी हैं। एक नजरिए के मुताबि?क अमेरिकी पहचान वंश, खून और मिट्टी पर आधारित है, जहां विरासत में मिली पहचान ही सर्वाधिक मायने रखती है। इस सोच के अनुसार सबसे शुद्ध अमेरिकी वही हैं, जिनके वंश की जड़ें अमेरिका की स्थापना या उससे भी पहले की हैं। उन्होंने कहा कि श्वेत-केंद्रित पहचान को गढ़ना कुछ ऐसा था, जिसका अंदाजा पहले से था। 2022 की अपनी किताब 'नेशन ऑफ विक्टिम्स' में उन्होंने इसका अनुमान लगाया था। लेकिन बीते पांच सालों में गैर-श्वेतों से भेदभाव के चलते अब यह चंद लोगों की विचारधारा मात्र नहीं रह गई। इसके बावजूद रामास्वामी कहते हैं, आज आप अमेरिकी तब हैं, जब कानून के शासन, अंतरात्मा की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी, रंगभेद से रहित व्यवस्था और संविधान में विश्वास रखते हैं। ऐसे नस्लीय तनाव से भरे माहौल में ओहायो का गवर्नर चुनाव जीतना रामास्वामी के लिए बड़ी चुनौती होगा। उनका मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी उम्मीदवार एमी एक्टन से है। ताजा जनमत सर्वेक्षण बताते हैं कि दोनों के बीच कांटे की टक्कर है। रामास्वामी को 48इ और एक्टन को 47फीसदी समर्थन मिल रहा है। ट्रम्प ने भी रामास्वामी को अगला गवर्नर बनाने को लेकर समर्थन दे दिया है। एक साल पहले तक यह समर्थन रामास्वामी के पक्ष में माहौल बना सकता था, लेकिन अब शायद नहीं। क्योंकि खुद ट्रम्प की लोकप्रियता ऐतिहासिक रूप से नीचे पहुंच चुकी है। महज 30इ लोगों ने ही उनका समर्थन किया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं) मिन्हाज मर्चेंट

नोटों के ढेर से ढंक गया भजन गायक,यह गुजरात की लोक-डायरो परंपरा, पूरा पैसा दान होगा

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ जिले के खंभालिया गांव में बुधवार रात श्रीमद् भगवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन हुआ। इसी दौरान हुए लोक डायरो (भजन कार्यक्रम) में लोक गायक जिग्नेश कविराज के ऊपर जमकर नोट बरसे। भजन कार्यक्रम अहीर समाज और प्रयागराज समूह द्वारा आयोजित किया गया था। इस दौरान भक्तों ने गायक पर करीब डेढ़ घंटे तक रूपयों को बरसात की। कुछ लोग बोरियों में नोट भरकर लाए थे। अब इसका वीडियो वायरल हो रहा है। कन्या स्कूल के लिए दी जाएगी दान राशि अहीर समाज के आयोजकों ने बताया कि श्रीमद् भगवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के 7 दिनों में जो भी दान राशि मिली है। वह अहमदाबाद में बन रहे 'गुजरात अहीर समाज कन्या कक्षालय' के निर्माण में दान की जाएगी। बेटियों की शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए ही लोगों ने जमकर दान दिया है। दान के लिए पैसे जुटाने की परंपरा है लोक-डायरो गुजरात में इस तरह की भजन संध्या को लोक-डायरो कहा जाता है।

इसका उद्देश्य स्कूलों, गोशाला, गरीब बच्चियों की शादी जैसे सामाजिक कार्यक्रमों के लिए राशि जुटाना होता है। लोक-डायरो से जमा होने वाला पूरा पैसा दान कर दिया जाता है।

पेट्रोल-डीजल कीमतों में वृद्धि पर कांग्रेस बोली- चुनाव खत्म-वसूली शुरू,राहुल ने कहा- रु3 का झटका आया, बाकी वसूली किस्तों में

अखिलेश बोले- साइकिल ही विकल्प

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगे हो गए हैं। प्रमुख शहरों में सीएनजी भी 2 रुपए प्रति किलो तक महंगी हो गई है। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं। करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है। विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। सरकार पर बढ़ती महंगाई और आर्थिक दबाव के बीच आम लोगों पर बोझ बढ़ाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि 'महंगाई मैन' मोदी ने आज फिर जनता पर हंटर चलाया है। चुनाव खत्म हो गए हैं, मोदी की वसूली शुरू हो गई है। वहीं सपा के अखिलेश यादव ने एक कार्टून शेयर करते हुए लिखा कि हमने तो पहले ही कहा था कि साइकिल से बेहतर कुछ नहीं है। आगे बढ़ना है तो साइकिल ही विकल्प है। ईंधन की कीमतें बढ़ने विपक्षी पार्टियों और जनता ने क्या-क्या कहा- राहुल गांधीः मोदी की गलती की कीमत जनता चुकाएगी- मोदी सरकार की गलती, कीमत जनता चुकाएगी। रु3 का झटका तो पहले ही लग चुका है। बाकी की वसूली किस्तों में की जाएगी। डेरेक ओब्रायनः वे वहीं चोट करते हैं, जहां सबसे ज्यादा दर्द हो- पहले वे आपके वोट लूटते हैं, फिर वे आपको वहीं चोट पहुंचाते हैं जहां सबसे ज्यादा दर्द होता है। क्या पश्चिम बंगाल में नई बनी बीजेपी सरकार अब ईंधन पर वैट कम करेगी। मल्लिकार्जुन खड़गेः आर्थिक संकट की मुख्य वजह मोदी सरकार का नेतृत्व संकटः देश की जनता को यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय ईंधन संकट के साथ-साथ, इस समय भारत में आर्थिक संकट की मुख्य वजह मोदी सरकार का नेतृत्व संकट, दूरदृष्टि की कमी और भारी अक्षमता है। पिनराई विजयनः लोगों के साथ एक क्रूर विश्वासघात है- कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। ये लोग पहले से ही जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतों और रोजमर्रा के खर्चों के कारण गंभीर आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं। डीके शिवकुमारः ये मोदी का तोहफा, देश की हालत दुखद- देश एक दुखद स्थिति में पहुंच गया है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी मोदी का तोहफा है। वह अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नाकाम रहे हैं। उन्होंने पड़ोस के किसी भी देश के साथ अच्छे संबंध नहीं बनाए हैं।हन्नान मोल्लाहः क्या ये मोदी सरकार के अच्छे दिन हैं- यह स्थिति कोई हैरानी की बात नहीं है। लोगों को उम्मीद नहीं थी कि अच्छे दिन इतनी जल्दी आ जाएंगे। उन्हें लगा था कि इसकी समय सीमा 2047 होगी, लेकिन ये तो 2026 में ही आ गए। क्या यही मोदी सरकार के अच्छे दिन हैं।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति ईरानी एक्ट्रेस को मैसेज करते थे,दावा- मैक्रों को इस वजह से पत्नी ने थप्पड़ मारा,वीडियो हुआ था वायरल

पेरिस। बाद में टीम ने कहा कि यह सिर्फ मजाक में हुआ एक हल्का-फुल्का पल था। मैक्रों के करीबी लोगों ने बताया था कि राष्ट्रपति अक्सर आधिकारिक कार्यक्रम शुरू होने से पहले अपनी पत्नी के साथ मजाक करते हैं और ब्रिजित उसी तरह प्रतिक्रिया देती हैं। खुद राष्ट्रपति मैक्रों ने भी बाद में कहा था कि दोनों उस समय सिर्फ मजाक कर रहे थे। उन्होंने लोगों से इस मामले को ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर न देखने और शांत रहने की अपील की थी। फिलहाल फ्रांस के राष्ट्रपति भवन एलिसी पैलेस की तरफ से इस नई किताब पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। ट्रम्प ने मैक्रों और उनकी पत्नी पर तंज किया था-इस वीडियो को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी इमैनुएल मैक्रों पर उनकी पत्नी को लेकर तंज किया था। ट्रम्प ने पिछले साल कहा था कि मैक्रों अब भी जबड़े पर पड़े थप्पड़ से उबर रहे हैं। उनकी पत्नी उनके साथ बहुत खराब व्यवहार करती हैं। ट्रम्प ने मैक्रों पर यह टिप्पणी एक प्राइवेट लंच के दौरान की थी। ट्रम्प का यह वीडियो कुछ समय के लिए व्हाइट हाउस के यूट्यूब चैनल पर दिखा था, लेकिन बाद में हटा दिया गया। ट्रम्प के मजाक के कुछ घंटों बाद मैक्रों ने उन्हें जवाब देते हुए कहा था, 'हमें गंभीर रहना चाहिए। एक दिन कुछ और, अगले दिन कुछ और नहीं कहना चाहिए। बेहतर है कि हर दिन बयान देने के बजाय हालात को शांत करें और स्थायी शांति पर ध्यान दें।' फ्रांसीसी पत्रकार फ्लोरियन तारदिफ को जानिए-फ्लोरियन तारदिफ फ्रांसीसी पत्रकार और लेखक हैं। वे राजनीति, सत्ता और फ्रांस के बड़े नेताओं से जुड़ी रिपोर्टिंग के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने कई सालों तक फ्रांसीसी पत्रिका 'पेरिस मैच' के साथ काम किया है। वे फ्रांसीसी टीवी चैनल 'सीन्यूज' पर भी पॉलिटिकल एक्सपर्ट और रिपोर्टर के तौर पर काम कर चुके हैं। फ्लोरियन तारदिफ को फ्रांस में ऐसे पत्रकार के तौर पर जाना जाता है जो राजनीति और सत्ता से जुड़े संवेदनशील मामलों पर खुलकर लिखते हैं। उनकी रिपोर्टिंग शैली अक्सर चर्चा और विवाद दोनों का कारण बनती रही है। साल 1992 में जब इमैनुएल मैक्रों 15 साल के थे, उनकी मुलाकात ब्रिगिट ट्रोन्यू से हुई थी। ब्रिगिट तब 39 साल की थीं और उत्तरी फ्रांस के अमिएंस में ला प्रोविडेंस हाई स्कूल में फ्रेंच और ड्रामा की टीचर थीं। इमैनुएल उस स्कूल में पढ़ते थे। ब्रिगिट की बेटी मैक्रों की क्लासमेट थी। दोनों अच्छे दोस्त थे और अक्सर साथ दिखाई देते थे। ऐसे में कई लोग दोनों को गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड समझते थे। लेकिन मैक्रों को उनकी क्लासमेट नहीं बल्कि उसकी टीचर मां पसंद थीं।इमैनुएल स्कूल के ड्रामा क्लब में शामिल हुए, जहां ब्रिगिट ड्रामा सिखाती थीं। दोनों ने एक साथ एक नाटक पर काम किया, जिसमें इमैनुएल ने स्क्रिप्ट लिखने में मदद की। यहीं से उनकी नजदीकी शुरू हुई। पिता ने स्कूल छुड़वाया, फिर भी प्यार बरकरार रहा-इमैनुएल ने बाद में बताया कि उन्हें तब ही ब्रिगिट से प्यार हो गया था। इमैनुएल और ब्रिगिट के बीच बढ़ती नजदीकी की चर्चा स्कूल में हो गई। इमैनुएल के माता-पिता इस रिश्ते के खिलाफ थे। उन्होंने इमैनुएल को पेरिस भेज दिया ताकि वह ब्रिगिट से दूर रहें। उन्होंने ब्रिगिट को धमकी भी दी कि जबतक उनका बेटा बालिग नहीं हो जाता, तब तक वह उनसे दूर रहे। मैक्रों ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उसी समय मैंने ठान लिया था कि मुझे सफल होना है। मैं अपने माता-पिता को साबित करना चाहता था कि मैंने अपनी टीचर से प्यार करके कोई गलती नहीं की थी। पेरिस में पढ़ाई के दौरान इमैनुएल ने ब्रिगिट से संपर्क बनाए रखा। उन्होंने पत्र लिखे और फोन पर बात की। इमैनुएल ने बाद में एक इंटरव्यू में कहा था कि मैंने ब्रिगिट से कहा था कि मैं किसी भी हाल में उनसे शादी करूंगा।ब्रिगिट के पति एक बैंकर आंद्रे-लुई औजिए थे। ब्रिगिट ने 2006 में अपने पति से तलाक ले लिया। इसके एक साल बाद 2007 में दोनों ने फ्रांस के तटीय शहर ले टौके में शादी की। उस वक्त इमैनुएल की उम्र 29 साल और ब्रिगिट 54 की थीं। इमैनुएल ने अपने शादी के भाषण में ब्रिगिट के बच्चों को धन्यवाद दिया कि उन्होंने उन्हें स्वीकार किया। इमैनुएल ने कभी अपने बच्चों की इच्छा नहीं जताई, और वह ब्रिगिट के बच्चों और उनके पोते-पोतियों के साथ पारिवारिक जीवन जीते हैं। शादी के बाद, ब्रिगिट ने इमैनुएल के करियर में अहम भूमिका निभाई। वह उनकी सलाहकार रही हैं और उनके राजनीतिक अभियानों में सक्रिय रहीं। ब्रिगिट ने अपनी टीचिंग जॉब छोड़ दी और फ्रांस की प्रथम महिला के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं।

ब्रिगिट की बेटी मैक्रों की क्लासमेट थी। दोनों अच्छे दोस्त भी थे अब दोनों में बाप-बेटी का रिश्ता है

मोदी की ईंधन बचाने की अपील पर फैसला

सुप्रीम कोर्ट स्टाफ को 2 दिन का वर्क फ्रॉम होम,जज साहब भी कार पूलिंग करके कोर्ट जाएंगे

नयी दिल्ली। पीएम मोदी की ईंधन बचत की अपील पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने वर्किंग को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। अब कोर्ट के हर विभाग का स्टाफ दो दिन वर्क फ्रॉम होम पर रहेगा। सभी जज कार पूल करेंगे। रजिस्ट्री से जुड़ा 50 फीसदी स्टाफ भी घर से काम करेगा। सोमवार, शुक्रवार और मिसलेनियस डे (जो दिन पहले से तय नहीं होते) पर लिस्ट मामलों की सुनवाई केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी। इसके अलावा कोर्ट के अन्य वर्किंग डे में भी सुनवाई ऑनलाइन ही की जाएगी। कोर्ट ने रजिस्ट्री विभाग को निर्देश दिया है कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग लिंक समय पर भेजें और टेक्निकल सपोर्ट हर समय उपलब्ध रहे, जिससे अदालत की कार्यवाही प्रभावित न हो। सुप्रीम कोर्ट सचिव जनरल भारत पराशर ने इस संबंध में सर्कुलर जारी किया है। पीएम मोदी की पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील का असर देश के राज्यों में भी दिखने लगा है। शुक्रवार को केरलम के सीएम बनने जा रहे वीडी सतीशन पद संभालने से पहले ही अपने काफिले में केवल तीन गाड़ियां रखने का फैसला किया है, जिसमें सिर्फ एक पायलट और एक एस्कॉर्ट वाहन चलेगा। एक दिन पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस गुरुवार को एमएलसी शपथ ग्रहण समारोह के लिए बाइक से विधान भवन पहुंचे थे। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पेट्रोल-डीजल की बचत के लिए नए आदेश जारी किए। अब दिल्ली में सरकारी कर्मचारी हफ्ते में 2 दिन 'वर्क फ्रॉम होम' करेंगे। 50फीसदी सरकारी बैठकें ऑनलाइन होंगी और कोई भी मंत्री 1 साल तक विदेशी दौरे पर नहीं जाएगा। त्रिपुरा में ग्रुप सी और डी के सिर्फ 50फीसदी सरकारी कर्मचारी ही रोज ऑफिस आएंगे, बाकी कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। पंजाब में गवर्नर ऑफिस में हर बुधवार को अधिकारी चार-पहिया वाहन से नहीं आएंगे। हरियाणा में सीएम नायब सिंह सैनी हफ्ते में एक दिन बिना गाड़ी के चलेंगे। पीएम मोदी भी बुधवार को काफिला छोड़ सिर्फ 2 गाड़ियों के साथ निकले। वहीं गृह मंत्री अमित शाह के काफिले में 4 गाड़ियां नजर आई थीं। पीएम की अपील के बाद 13 राज्यों में सरकार-नेताओं के फैसले-1. ओडिशाः सीएम ने काफिले में गाड़ियां घटाईं-ओडिशा के सीएम मोहन माझी ने अपने काफिले की गाड़ियां घटा दी हैं। उनके काफिले में सिर्फ चार गाड़ियां हैं। जिसमें दो पुलिस की गाड़ी शामिल हैं। 2. अरुणाचल प्रदेशः मंत्रियों-सरकारी अधिकारियों की विदेश यात्रा पर रोक- अरुणाचल प्रदेश सरकार ने खर्च कम करने के लिए अगले एक साल तक मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों की विदेश यात्राओं पर पूरी तरह रोक लगा दी है। इसके अलावा मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों के काफिले में वाहनों की संख्या 50फीसदी तक घटाने का आदेश दिया है। सरकार ने सरकारी बैठकों के लिए 'वर्चुअल फर्स्ट' पॉलिसी भी लागू की है। अब जरूरी सरकारी यात्राओं के लिए कम से कम 15 दिन पहले टिकट बुक कराना जरूरी होगा, जबकि एलटीसी (भारत सरकार का अपने कर्मचारियों को दिया जाने वाला खर्च) यात्राओं की योजना 45 दिन पहले बनानी होगी। 3. त्रिपुराः 50फीसदी कर्मचारी ही ऑफिस आएंगे, बाकी वर्क फ्रॉम होम-त्रिपुरा सरकार ने खर्च और पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब सरकारी दफ्तरों में ग्रुप सी और डी के सिर्फ 50फीसदी कर्मचारी ही रोज ऑफिस आएंगे, बाकी कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। सरकार ने सभी विभागों को कर्मचारियों की साप्ताहिक ड्यूटी रोस्टर बनाने के निर्देश दिए हैं। जरूरी और इमरजेंसी सेवाओं वाले कर्मचारियों पर यह नियम लागू नहीं होगा। 4. हरियाणाः सीएम ने काफिला घटाया, हफ्ते में एक दिन बिना गाड़ी के चलेंगे-हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए अपने सरकारी काफिले में गाड़ियों की संख्या कम करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि अब उनके काफिले में सिर्फ सुरक्षा के लिए जरूरी वाहन ही शामिल होंगे। सीएम ने यह भी तय किया है कि वे हफ्ते में एक दिन कोई भी गाड़ी इस्तेमाल नहीं करेंगे। 5. आंध्र प्रदेशः सीएम के साथ अब पहले से आधा काफिला- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अपने काफिले में इस्तेमाल होने वाली गाड़ियों की संख्या 50फीसदी कम करने का फैसला लिया है। अब जिला दौरों के दौरान उनके साथ पहले से आधी गाड़ियां ही चलेंगी। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों, वीआईपी लोगों से भी सरकारी गाड़ियों का कम इस्तेमाल करने और जरूरत होने पर ही यात्रा करने की अपील की है। 6. पंजाबः हर बुधवार अधिकारी चार पहिया से नहीं आएंगे-पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा, हमने अपने अधिकारियों के साथ बैठक के बाद यह फैसला किया है कि हर बुधवार को हमारा कोई भी अधिकारी चार-पहिया वाहन से नहीं आएगा। 7. राजस्थानः सीएम भजनलाल के काफिले में अब 5 गाड़ियां-राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या घटाने का आदेश दिया। पहले काफिले में 14-16 गाड़ियां रहती थीं, लेकिन बुधवार को दिल्ली दौरे के दौरान उनके साथ सिर्फ 5 गाड़ियां ही चलीं। 8. बिहारः सीएम सम्राट चौधरी इलेक्ट्रिक गाड़ी से सचिवालय पहुंचे-बिहार के सीएम सम्राट चौधरी बुधवार को कैबिनेट बैठक के लिए इलेक्ट्रिक गाड़ी से सचिवालय पहुंचे। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सीएम की गाड़ी के पीछे पेट्रोल-डीजल वाली करीब 20 गाड़ियों का काफिला था। वहीं अब कई मंत्री सिर्फ एक या दो गाड़ियों में ही कार्यक्रमों और बैठकों में पहुंच रहे हैं। 9. मध्य प्रदेशः वीआईपी काफिलों पर ब्रेक, सीएम ने गाड़ियां घटाईं- मध्य प्रदेश में अब मंत्रियों और वीआईपी काफिलों में गाड़ियों की संख्या सीमित की जाएगी। साथ ही सरकारी दौरों और भ्रमण के दौरान रैलियों पर भी रोक रहेगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव को ज़ेड प्लस कैटेगरी की सिक्योरिटी मिली है। इस वजह से उनके काफिले में अब तक कुल 13 वाहन शामिल रहते थे। नए आदेश के बाद भोपाल में स्थानीय दौरे के दौरान मुख्यमंत्री के काफिले में अब सिर्फ 8 वाहन शामिल होंगे। 10. यूपीः बैठकें वर्चुअल होंगी; 2 दिन वर्क फ्रॉम होम-उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने मंगलवार को 7 बड़े फैसले लिए। मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों और अफसरों का काफिला 50फीसदी घटेगा। हफ्ते में एक दिन इन्हें पब्लिक ट्रांसपोर्ट या बस-मेट्रो से चलना होगा। 11. दिल्लीः सरकारी कर्मचारी 2 दिन 'वर्क फ्रॉम होम' करेंगे, 50फीसदी सरकारी बैठकें ऑनलाइन होंगी- दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने पेट्रोल-डीजल की बचत के लिए नए आदेश जारी किए हैं। अब सभी सरकारी कर्मचारी 2 दिन 'वर्क फ्रॉम होम' करेंगे। 50फीसदी सरकारी बैठकें ऑनलाइन होंगी, कोई मंत्री 1 साल तक विदेशी दौरे पर नहीं जाएगा, दफ्तरों की टाइमिंग सुबह 10:30 से शाम 7 बजे तक ही होगी और दिल्ली सरकार 6 महीने तक कोई नई गाड़ी नहीं खरीदेगी।वहीं, दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने मंगलवार को दिल्ली मेट्रो में आईएनए से कड़कड़डूमा कोर्ट तक सफर किया। फिर मेट्रो स्टेशन से सूरजमल विहार में स्थित 'सीएम श्री स्कूल' तक जाने के लिए ई-रिक्शा लिया। वहां उन्होंने जोन 1 और 2 के स्कूलों के प्रमुखों के साथ एक सेशन में हिस्सा लिया।

मानसून 26 मई को केरल पहुंचेगा,मौसम विभाग का अनुमान- तय समय से 4 दिन पहले पहुंचेगा

नयी दिल्ली। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून 4 दिन पहले 26 मई को केरल में आने की संभावना है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरल पहुंचता है और देश के दूसरे हिस्सों को कवर करने के लिए उत्तर की ओर बढ़ता है। पिछले साल मॉनसून 24 मई को आया था। यूपी में बुधवार को आंधी और बारिश ने जमकर तबाही मचाई। राज्य में 111 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 21 मौतें प्रयागराज और 17 मौतें भदोही में हुईं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इन मौतों पर दुख जताया। उधर का देश का आधे से ज्यादा हिस्सा हीटवेव की चपेट में है। महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में गुरुवार को तापमान 40डिग्री के पार दर्ज किया गया। महाराष्ट्र का अकोला 45.9डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। जलगांव, वर्धा और अमरावती में भी पारा 45डिग्री के ऊपर दर्ज हुआ। राजस्थान के फलोदी में तापमान 45.2डिग्री, जैसलमेर और बाड़मेर में 45.1डिग्री रिकॉर्ड हुआ। श्रीगंगानगर में 44.8डिग्री और जोधपुर में 44डिग्री पारा रहा। जयपुर, बीकानेर और नागौर में दिनभर हीटवेव जैसे हालात रहने के बाद शाम को बारिश हुई। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिली। इधर, यूपी में बांदा राज्य का सबसे गर्म जिला रहा। यहां तापमान 45.2डिग्री रहा। इसके अलावा गुजरात का भावनगर 45.2डिग्री और मध्य प्रदेश का खंडवा 44.5डिग्री के साथ अपने राज्य के सबसे ज्यादा गर्म शहर थे। अगले दो दिन के मौसम का हाल-16 मईः-पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी यूपी में बारिश, तेज हवाएं चल सकती हैं। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। पहाड़ी इलाकों में तेज हवाएं भी चल सकती हैं। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश के साथ बिजली गिरने का अलर्ट है। 17 मईः- राजस्थान में गंभीर हीटवेव का अलर्ट है। रातें भी गर्म रहेंगी। छत्तीसगढ़, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी हीटवेव चलेगी। आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में बिजली चमकने और तेज हवाओं के साथ खराब मौसम की चेतावनी है। असम, मेघालय, केरल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान है।

ट्रंप के बीजिंग दौरे ने साफ कर दिया की अमेरिका को भारत की जरूरत नहीं

वॉशिंगटन।' ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में साफ शब्दों में कहाः वाशिंगटन भारत के साथ चीन जैसी स्थिति नहीं दोहराएगा। अमेरिका ने दशकों तक बाजार खोले, पूंजी का हस्तांतरण किया और चीन के उदय को संभव बनाया, लेकिन अंततः उसे पता चला कि उसने अपने सबसे बड़े रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी को खुद ही पैदा कर दिया है। वह भारत के साथ ऐसा नहीं करेगा। भारतीय रणनीतिक सोच को इस कड़वी सच्चाई का सामना करना होगा।जाने-माने कूटनीतिक विशेषज्ञ ब्रह्मा चेलानी ने एक्स पर लिखा, 'अपनी यात्रा के दौरान, अचानक से विनम्र हो उठे ट्रंप चीन और शी जिनपिंग की जमकर तारीफ कर रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने चीनी नेता से यह भी कहा, 'आपका दोस्त होना मेरे लिए गर्व की बात है।' यह नजारा ट्रंप के उस जाने-पहचाने अंदाज को दिखाता है, जिसमें चीजें बिल्कुल उलट होती हैं। अमेरिका के मुख्य रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी को तो तारीफ और सम्मान मिलता है, जबकि अमेरिका के सहयोगी और रणनीतिक साझेदारों के साथ अक्सर मुफ्तखोरों, मातहतों या विरोधियों जैसा बर्ताव किया जाता है।'

'हम भगवान में आस्था के खिलाफ नहीं,लोग मंदिरों में जाएं,सनातन खत्म का मतलब, भेदभाव वाली सोच का अंत'- उदयनिधि

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने सनातन खत्म वाले अपने बयान पर 2 दिन बाद सफाई दी। उदयनिधि ने कहा- मेरे बयान को गलत समझा जा रहा है। मैं लोगों के मंदिर जाने के खिलापु नहीं बस वहां जाति के आधार पर जो भेदभाव होता है, उस सोच को खत्म करना होगा। उदयनिधि स्टालिन ने 12 मई को विधानसभा में कहा कि सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए। यह लोगों को बांटता है। उन्होंने पहले 2023 में भी सनातन को डेंगू, मलेरिया बताया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी। उदयनिधि ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- तमिलनाडु विधानसभा में जब मैंने कहा था कि 'लोगों को बांटने वाले सनातन को खत्म होना चाहिए' तो कुछ लोग मेरी आलोचना कर रहे हैं। लेकिन मैं ऐसी आलोचनाओं से डरने वाला नहीं हूं। द्रविड़ आंदोलन हमेशा विरोध के बीच ही आगे बढ़ा है। इसलिए मैं सिर्फ एक छोटी-सी बात साफ करना चाहता हूं। जब मैं कहता हूं कि सनातन खत्म होना चाहिए, तो इसका मतलब यह नहीं है कि कोई मंदिर न जाए। इसका मतलब यह है कि मंदिरों में ही नहीं, बल्कि समाज में भी सभी लोगों को बराबरी का अधिकार मिलना चाहिए। मैं उस सोच को खत्म करने की बात कर रहा हूं, जो लोगों को ऊंची और नीची जाति में बांटती है।मैं वही विचार रख रहा हूं, जिनकी बात पेरियार, अंबेडकर, अन्ना और करुणानिधि ने की थी। हम किसी की भगवान में आस्था के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन असमानता और उत्पीड़न का हम कड़ा विरोध करेंगे। तिरुवल्लुवर ने कहा था- सभी जीव जन्म से समान हैं, यही हमारा रास्ता है। 2 सितंबर 2023: उदयनिधि ने सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया बताया था-उदयनिधि स्टालिन ने 2 सितंबर 2023 को एक कार्यक्रम में सनातन धर्म के खिलाफ बयान दिया था।

रणबीर कपूर ने अयोध्या में रु3.31 करोड़ की जमीन खरीदी,'रामायण' में निभाएंगे भगवान राम का रोल

अयोध्या। एक्टर रणबीर कपूर ने अयोध्या के रियल एस्टेट प्रोजेक्ट 'द सरयू' में यह जमीन उनके परिवार की विरासत का हिस्सा बनेगी। चेयरमैन अभिनंदन लोढ़ा ने कहा कि अयोध्या सांस्कृतिक और आर्थिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर, टूरिज्म और दुनिया भर का ध्यान खींचने की वजह से शहर में लंबे समय तक विकास की संभावना है। उन्होंने कहा कि रणबीर कपूर का इन्वेस्टमेंट दिखाता है कि खरीदार अयोध्या को न केवल इमोशनली बल्कि भविष्य के नजरिए से भी एक महत्वपूर्ण इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में देख रहे हैं। गौरतलब है कि यह इन्वेस्टमेंट ऐसे समय में सामने आया है, जब रणबीर डायरेक्टर नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में भगवान श्रीराम की भूमिका निभा रहे हैं। हनुमान जयंती के मौके पर फिल्म से रणबीर का भगवान राम के रूप में लुक भी सामने आया था। फिल्म 'रामायण' से जुड़ी अहम बातें-फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में नजर आएंगे।1987 के टीवी शो 'रामायण' में राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल इस फिल्म में राजा दशरथ की भूमिका में दिखेंगे। फिल्म का कुल बजट लगभग 4,000 करोड़ रुपए बताया जा रहा है, जो इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्मों में शामिल करता है। फिल्म को नितेश तिवारी डायरेक्ट कर रहे हैं, जिन्होंने सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म दंगल बनाई थी। फिल्म का म्यूजिक ऑस्कर विनर ए.आर. रहमान और हॉलीवुड कंपोजर हैंस जिमर तैयार कर रहे हैं। फिल्म को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज, डीएनईजी और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स बना रहे हैं। फिल्म आईमैक्स पर रिलीज होगी। फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स का काम ऑस्कर विनर स्टूडियो डीएनईजी और प्राइम फोकस संभाल रहे हैं। फिल्म को दो भागों में रिलीज किया जाएगा। पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग दिवाली 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगा।

'द सरयू' में जमीन खरीदी है। यह प्रोजेक्ट द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा का प्रीमियम प्लॉटेड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि कंपनी की आधिकारिक घोषणा के अनुसार, यह डील 3.31 करोड़ रुपए में हुई है। खरीदी गई जमीन का कुल क्षेत्रफल 2,134 वर्ग फीट है। अमिताभ बच्चन के बाद 'द सरयू' में निवेश करने वाले रणबीर कपूर दूसरे बड़े एक्टर बने हैं। 'द सरयू' 75 एकड़ में फैला प्रोजेक्ट है, जो सरयू नदी के किनारे स्थित है। इस प्रोजेक्ट में ग्रैंड क्लब हाउस, 35 से ज्यादा लाइफस्टाइल सुविधाएं और द लीला होटल्स का पांच एकड़ में बनने वाला शुद्ध शाकाहारी लग्जरी होटल शामिल है। रणबीर बोले- अयोध्या ने मुझे चुना-रणबीर ने बयान में कहा कि उन्हें लगता है कि अयोध्या ने उन्हें चुना है। उन्होंने कहा कि अयोध्या भारत के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा है और

'तीसरी बेगम' में कड़वी सच्चाई दिखाई है,जय सियाराम विवाद, लव जिहाद मुद्दे-केसी बोकाड़िया,सेंसर बोर्ड पर खुलकर बोले फिल्ममेकर

मुंबई। अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, रेखा, माधुरी दीक्षित और राजकुमार जैसे बड़े सितारों के साथ काम कर चुके दिग्गज फिल्ममेकर केसी बोकड़िया इन दिनों अपनी नई फिल्म 'तीसरी बेगम' को लेकर चर्चा में हैं। लव जिहाद, ट्रिपल तलाक और धर्म परिवर्तन जैसे संवेदनशील मुद्दों पर बनी इस फिल्म को लेकर उन्होंने ने बताया कि फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित है और इसका की जाती है। बाद में उन्हें सच्चाई पता चलती है। फिल्म सिर्फ समस्या नहीं दिखाती, यह भी बताती है कि फैसले सोच-समझकर लेने चाहिए। सवालः क्या फिल्म में यह दिखाया गया है कि ऐसे मामलों के पीछे कोई नेटवर्क या पैसों का खेल होता है? जवाबः मैंने ऐसी बातें सुनी हैं, लेकिन फिल्म में उसे नहीं दिखाया। मैंने सिर्फ वही रखा जो कहानी और भावनाओं के हिसाब से जरूरी था। सवालः सेंसर बोर्ड बदल गया है। अच्छे कंटेंट वाली फिल्मों को भी मौका कम मिलता है। लेकिन मुझे आज भी विश्वास है कि अच्छी फिल्म चलेगी। सवालः इतने लंबे करियर और अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम करने के बाद भी आपको आज संघर्ष करना पड़ रहा है? जवाबः संघर्ष हर दौर में होता है। मैंने अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, रेखा, माधुरी दीक्षित जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया है। उस दौर में रिश्तों और भरोसे पर काम होता था। आज सिस्टम बदल गया है, लेकिन मेरा काम करने का तरीका नहीं बदला। सवालः क्या आज के स्टार्स और पुराने दौर के स्टार्स में फर्क महसूस होता है? जवाबः पहले कलाकारों में बहुत भरोसा था। अमिताभ बच्चन ने 'आज का अर्जुन' की कहानी तक नहीं सुनी थी। राजकुमार जैसे कलाकार फोन पर हां कह देते थे। आज चीजें ज्यादा कॉरपोरेट और सिस्टम बेस्ड हो गई हैं। सवालः इतने बड़े स्टार्स के साथ काम करने के बाद भी आपने 'तीसरी बेगम' में नए चेहरों को क्यों चुना? जवाबः इस कहानी में मासूमियत और वास्तविकता जरूरी थी। अगर बड़े स्टार्स होते तो दर्शकों का ध्यान किरदार से ज्यादा स्टार इमेज पर जाता। मुझे कहानी का असर ज्यादा जरूरी लगा। सवालः क्या आपको लगता है कि फिल्म पर प्रोपेगेंडा फैलाने के आरोप लगेंगे? जवाबः हो सकता है, लेकिन मैं तैयार हूं। मेरा मकसद किसी समुदाय के खिलाफ बोलना नहीं है। मैंने हमेशा सामाजिक और पारिवारिक फिल्में बनाई हैं। यह भी उसी तरह की फिल्म है। सवालः मुस्लिम समुदाय के लिए आपका क्या संदेश है? जवाबः हम सब एक हैं। अगर किसी समुदाय में गलत चीजें हो रही हैं, तो उन्हें रोकना चाहिए। किसी भी चीज को प्रतिष्ठा का मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। इंसानियत सबसे ऊपर है। सवालः 78 साल की उम्र में भी इतनी ऊर्जा कहां से आती है? जवाबः भगवान की कृपा और लोगों का प्यार। मैंने हमेशा फिल्म इंडस्ट्री को पूजा की तरह माना है। अनुशासन में रहता हूं और काम को ईमानदारी से करता हूं। सवालः फिल्म इंडस्ट्री जैसी प्रतिस्पर्धी जगह में इतना सरल और ईमानदार रहना कितना मुश्किल है?जवाबः अगर इंसान साफ नीयत से काम करे तो मजा आता है। मैंने हमेशा रिश्तों और सम्मान को महत्व दिया है। यही वजह है कि इतने साल बाद भी लोग प्यार देते हैं। सवालः दर्शकों से क्या कहना चाहेंगे? जवाबः 'तीसरी बेगम' परिवार के साथ देखने वाली फिल्म है। इसमें सिर्फ विवाद नहीं, बल्कि समाज के लिए एक संदेश और समाधान भी है। मैं चाहता हूं कि लोग इसे खुले मन से देखें।

मकसद किसी धर्म को निशाना बनाना नहीं, बल्कि समाज के सामने एक गंभीर सवाल रखना है। उन्होंने सेंसर बोर्ड से विवाद, कोर्ट तक पहुंची लड़ाई और अपनी कन्विक्शन पर भी बेबाक राय रखी। सवालः 'तीसरी बेगम' बनाने की प्रेरणा कहां से मिली? जवाबः एक असली घटना से। मैं एक परिचित के घर गया था, जहां उसने गर्व से बताया कि उसकी तीन पत्नियां हैं- मुस्लिम, राजपूत और ब्राह्मण। वहीं से मेरे मन में सवाल आया कि अलग संस्कार और खान-पान वाली लड़कियां ऐसे माहौल में कैसे एडजस्ट करती होंगी। उसी सोच से फिल्म की कहानी बनी। सवालः फिल्म में लव जिहाद, ट्रिपल तलाक और हलाला जैसे मुद्दे दिख रहे हैं। इतने विवादित विषय पर फिल्म बनाने में डर नहीं लगा? जवाबः नहीं। मैंने जो देखा और महसूस किया, वही फिल्म में दिखाया। मेरा मकसद किसी धर्म को गलत बताना नहीं, बल्कि उन लड़कियों की मानसिक स्थिति दिखाना है जो अलग माहौल में जाकर संघर्ष करती हैं। मैंने इसे संतुलित तरीके से पेश किया है। सवालः फिल्म में क्या दिखाया गया है? जवाबः फिल्म में एक ब्राह्मण लड़की शादी के बाद मुस्लिम परिवार में जाती है। वहां उसे नाम बदलने, तौर-तरीके अपनाने और नई जिंदगी में ढलने का दबाव झेलना पड़ता है। कहानी में उसकी परेशानी, संघर्ष और बाहर निकलने की कोशिश दिखाई गई है। सवालः क्या फिल्म में धर्म परिवर्तन और जबरदस्ती जैसे मुद्दे भी हैं? जवाबः हमने दिखाया है कि कई बार लड़कियों को बड़े-बड़े सपने दिखाकर शादी के साथ आपकी लंबी लड़ाई क्यों हुई? जवाबः सेंसर बोर्ड को कुछ डायलॉग्स और खासकर 'जय सियाराम' वाले सीन पर आपत्ति थी। मैंने साफ कहा कि इसे हटाऊंगा नहीं। बाद में मामला कोर्ट तक गया। कोर्ट ने फिल्म देखी और सिर्फ 24 सेकंड काटने के बाद रिलीज की अनुमति मिली। सवालः क्या यह आपकी कन्विक्शन की जीत भी है? जवाबः बिल्कुल। अगर फिल्ममेकर को अपने विषय और कहानी पर भरोसा नहीं होगा तो वह फिल्म कैसे बनाएगा? मैंने वही दिखाया जो मुझे सही लगा। 'जय सियाराम' वाला सीन हटाने के लिए कहा गया, लेकिन मैं अपने स्टैंड पर कायम रहा। आखिरकार कोर्ट ने भी हमारी बात समझी। सवालः 'जय सियाराम' वाले सीन पर इतनी बहस क्यों हुई? जवाबः फिल्म में एक लड़की से पूछा जाता है कि उसका भगवान कौन है, तो वह 'जय सियाराम' बोलती है। सेंसर को इस पर आपत्ति थी, लेकिन मैंने कहा कि यह किरदार की सच्चाई है। बाद में कोर्ट ने ज्यादातर सीन रहने दिए। सवालः आपने फिल्म को खुद रिलीज करने का फैसला क्यों लिया? जवाबः आज सिस्टम काफी बदल गया है। कई लोग पहले ओटीटी के बारे में सोचते हैं, लेकिन मेरा मानना है कि अगर कंटेंट अच्छा हो तो फिल्म थिएटर में जरूर चलती है। इसलिए मैंने खुद थिएटर मालिकों से बात की और अपनी तरह से फिल्म रिलीज करने का फैसला लिया। सवालः क्या आज फिल्म रिलीज करना मुश्किल हो गया है?

जवाबः बहुत मुश्किल है। टिकट, थिएटर और पूरा सिस्टम

माधुरी हुई 59 की,खलनायक के लिए 'नो प्रेग्नेंसी' क्लॉज साइन किया, 'हम आपके हैं कौन' में सलमान से ज्यादा फीस ली

मुंबई। 59 साल की हो चुकीं माधुरी दीक्षित सिर्फ अपनी फिल्मों और डांस ही नहीं, बल्कि करियर से जुड़े दिलचस्प किस्सों की वजह से भी चर्चा में रही हैं। करियर के शुरुआती दौर में सुभाष घई ने उन्हें फिल्म कर्मा में छोटा रोल दिया था, लेकिन बाद में यह कहकर उनका सीन हटा दिया कि इतनी टैलेंटेड लड़की को छोटा रोल देना सही नहीं होगा। आगे चलकर उन्होंने माधुरी को अपनी फिल्मों में बड़े रोल दिए। फिल्म खलनायक के दौरान उनसे 'नो प्रेग्नेंसी' क्लॉज भी साइन करवाया गया था, ताकि शूटिंग प्रभावित न हो। वहीं, हम आपके हैं कौन..! के लिए माधुरी को सलमान खान से ज्यादा फीस मिली थी।

आज माधुरी दीक्षित के जन्मदिन पर उनके करियर और निजी जीवन से जुड़े कुछ खास किस्से जानते हैं। माधुरी का नाम सुनते ही फिल्म के लिए हां कर दी थी-सहिला चड्ढा के लिए माधुरी दीक्षित सिर्फ सुपरस्टार नहीं, बल्कि परिवार जैसी हैं। सहिला 'हम आपके हैं कौन' में रीटा के रोल में नजर आई थीं।

साहिला कहती हैं- जब मुझे हम आपके हैं कौन..! ऑफर हुई थी, तब मैं सोलो हीरोइन वाली फिल्में कर रही थी। मैंने पहले फिल्म के लिए मना कर दिया था, क्योंकि मैं सेकेंड रोल नहीं करना चाहती थी। लेकिन जब मुझे बताया गया कि माधुरी फिल्म में होंगी, तब मैंने तुरंत हां कर दी।

माधुरी मेरे लिए कोई अजनबी स्टार नहीं थीं। मैं उन्हें बचपन से जानती हूं। उनकी चाची, मेरी मौसी हैं, इसलिए फैमिली फंक्शंस में मुलाकात होती रहती थी। उनके साथ हमेशा कम्फर्ट महसूस हुआ। बचपन से ही स्टार बनने का सपना देखती थीं माधुरी- माधुरी बचपन से बहुत फोकस्ड थीं। उन्हें डांस का बहुत शौक था और वह छोटी उम्र से ट्रेनिंग ले रही थीं। अपने लुक्स, स्माइल, टीथ हर चीज का ध्यान रखती थीं। उन्हें शुरू से पता था कि उन्हें एक्ट्रेस बनना है। उनका पूरा फोकस अपने पैशन पर था। घर से खाना आता था, तो मुझे जरूर बुलाती थीं- माधुरी हर किसी से जल्दी घुलती-मिलती नहीं थीं, लेकिन जिनसे जुड़ती थीं, उनके साथ बहुत जेन्युइन रिश्ता बनाती थीं।, अगर माधुरी के घर से कुछ अच्छा खाना आता था, तो वह मुझे जरूर बुलाती थीं। कई बार किसी को भेजकर बुलवाती थीं कि आओ, साथ में खाते हैं। उनके घर से अक्सर मछली आती थी, जबकि सलमान खान के घर से पूरी यूनिट के लिए बिरयानी आती थी।

नॉन-वेज खाने के लिए हम लोग चुपचाप कमरे में चले जाते थे-राजश्री प्रोडक्शंस के सेट पर बिना प्याज-लहसुन का खाना बनता था, लेकिन इतना स्वादिष्ट था कि आज तक उसका स्वाद याद है। मैं कुक से बार-बार पूछती थी कि पक्का इसमें प्याज-लहसुन नहीं डाला? उनका राजमा और बाकी सब्जियां कमाल की होती थीं। हालांकि

नॉन-वेज खाने के लिए हम लोग चुपचाप कमरे में चले जाते थे। पिंपल होने पर माधुरी ने दिया अपना खास साबुन-एक बार माधुरी के चेहरे पर पिंपल हो गया था। तब उन्होंने मुझे बताया कि वह कौन-सा साबुन इस्तेमाल करती हैं। बाद में जब मेरे चेहरे पर पिंपल आया, तो उन्होंने वही साबुन मुझे देते हुए कहा- 'अब ये तुम्हारे काम आएगा।' उस छोटी-सी बात में भी उनका अपनापन दिखता था। हर शॉट में चाहती थीं परफेक्शन-माधुरी अपने काम को लेकर बहुत गंभीर रहती थीं। अगर उन्हें लगता था कि शॉट परफेक्ट नहीं हुआ, तो वह रीटेक लेने से पीछे नहीं हटती थीं। उनके अंदर परफेक्शन को लेकर अलग पैशन था। कई बार मेरा शॉट एक टेक में ओके हो जाता था और माधुरी रीटेक करती थीं। तब मैं मजाक में कहती थी- 'मेरे साथ सौतेला व्यवहार क्यों हो रहा है?'' मेकअप में घंटों लगाती थीं-माधुरी अपने लुक और मेकअप को लेकर बहुत सीरियस रहती थीं। वह मेकअप में काफी समय लेती थीं। मैं आधे घंटे में तैयार होकर सेट पर पहुंच जाती थी, लेकिन वह हर चीज डिटेल में करती थीं। इस वजह से कैमरामैन को हमारी अलग-अलग लाइटिंग करनी पड़ती थी। वह ज्यादा मेकअप करती थीं और मैं बहुत कम। अच्छे आइडिया को कभी रिजेक्ट नहीं करती थीं- फिल्म के कई मजेदार मोमेंट्स शूटिंग के दौरान वहीं इम्प्रोवाइज हुए थे। 'दीदी तेरा देवर दीवाना' में कद्दू वाला सीन मेरा आइडिया था। माधुरी की प्रेग्नेंसी वाले हिस्से में चाय का कप रखने वाला आइडिया भी हमने वहीं मिलकर किया था। माधुरी की सबसे अच्छी बात यह थी कि वह किसी अच्छे आइडिया को कभी रिजेक्ट नहीं करती थीं। शूटिंग के बाद भी परिवार जैसा माहौल रहता था-शूटिंग खत्म होने के बाद भी पूरा यूनिट साथ वक्त बिताता था। कभी टेबल टेनिस खेलते थे, कभी शॉपिंग पर चले जाते थे, तो कभी साथ में फिल्म देखने निकल जाते थे। ऊटी में हम सबने साथ बैठकर फिल्म 'रोजा' भी देखी थी। पूरा माहौल फैमिली पिकनिक जैसा लगता था।

माधुरी की सबसे बड़ी ताकत उनका पैशन है-डांस हो, रोमांटिक सीन हो या इमोशनल मोमेंट, माधुरी हर चीज में अपना सौ प्रतिशत देती थीं। सरोज खान ने उनके एक्सप्रेशंस और स्क्रीन प्रेजेंस को खूबसूरती से निखारा था। आज भी मिलते हैं, तो बहनों वाली फीलिंग आ जाती है। माधुरी को कभी एक्टिंग नहीं छोड़नी चाहिए- मुझे लगता है कि माधुरी को कभी एक्टिंग नहीं छोड़नी चाहिए। जरूरी नहीं कि वह 16 साल की हीरोइन वाले रोल करें, लेकिन अपनी स्क्रीन एज के हिसाब से दमदार किरदार निभाते रहना चाहिए। अगर माधुरी एक्टिंग छोड़ देंगी, तो मुझे बहुत दुख होगा। दूरदर्शन के लिए किया पहला शो, लेकिन कभी टेलीकास्ट नहीं हुआ-करियर के शुरुआती दिनों में माधुरी दीक्षित ने कई टीवी प्रोजेक्ट्स और पायलट एपिसोड्स में काम किया था, लेकिन उनमें से कुछ ऑन एयर नहीं हो पाए। उस समय वह इंडस्ट्री में नई थीं और लगातार ऑडिशन दे रही थीं। माधुरी ने दूरदर्शन के लिए 'बॉम्बे मेरी है' नाम के टीवी शो की शूटिंग भी की थी, लेकिन प्रभावशाली स्टारकास्ट नहीं होने की वजह से यह शो टेलीकास्ट नहीं हो सका। 'पेइंग गेस्ट' बना पहला टेलीकास्ट शो-माधुरी दीक्षित ने राजश्री प्रोडक्शंस की फिल्म 'अबोध' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। वह राजश्री प्रोडक्शंस के टीवी शो 'पेइंग गेस्ट' में भी नजर आई थीं। यह शो 1985 में दूरदर्शन पर टेलीकास्ट हुआ था। 'पेइंग गेस्ट' के पहले एपिसोड में माधुरी ने 'नीना' नाम की लड़की का किरदार निभाया था। पेइंग गेस्ट' के सेट पर माधुरी को देखकर प्रभावित हुए थे रिक्कू राकेश नाथ-माधुरी दीक्षित के लंबे समय तक मैनेजर रहे रिक्कू राकेश नाथ नें ि.म्दस को दिए इंटरव्यू में उनसे जुड़ा दिलचस्प किस्सा शेयर किया था। रिक्कू ने बताया, 'मैं चांदिवली स्टूडियो में टीवी सीरियल 'पेइंग गेस्ट' के सेट पर माधुरी से मिला था। मेरी मुलाकात उनकी हेयरड्रेसर खातून के जरिए हुई थी। खातून ने मुझसे कहा था कि माधुरी बहुत टैलेंटेड हैं और उनका चेहरा बेहद अच्छा है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक कोने में खड़ा होकर माधुरी की परफॉर्मेंस देखता रहा। उनमें गजब का कॉन्फिडेंस था और मैं प्रभावित हुआ।' सुभाष घई ने 'कर्मा' से हटाया रोल, फिर लीड हीरोइन बनाया- रिक्कू राकेश नाथ के मुताबिक, खातून ने ही माधुरी की मुलाकात सुभाष घई से करवाई थी। माधुरी को फिल्म कर्मा में छोटे डांस सीक्वेंस के लिए लिया गया था, लेकिन बाद में वह हिस्सा फिल्म से हटा दिया गया। सुभाष घई माधुरी के टैलेंट से इतने प्रभावित हुए कि उन्हें लगा कि इतना छोटा रोल उनकी क्षमता के साथ न्याय नहीं करेगा। इसी वजह से उन्होंने उनका कैमियो हटाने का फैसला किया, ताकि आगे चलकर उन्हें अपनी फिल्मों में लीड रोल दे सकें। बाद में सुभाष घई ने माधुरी को फिल्म 'उत्तर दक्षिण' में साइन किया। फिल्म को सुभाष घई ने प्रोड्यूस किया था और इसके डायरेक्टर प्रभात खन्ना थे। फिल्म में माधुरी को रजनीकांत और जैकी श्रॉफ जैसे बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका मिला। इसके बाद माधुरी ने सुभाष घई के साथ राम लखन और खलनायक जैसी फिल्मों में भी काम किया। 'खलनायक' के दौरान साइन करवाया गया था 'नो प्रेग्नेंसी' क्लॉज-फिल्म 'खलनायक' की शूटिंग के दौरान माधुरी दीक्षित और संजय दत्त के अफेयर्स की खबरें सुर्खियों में थीं। इसी दौरान सुभाष घई को डर था कि अगर फिल्म की शूटिंग के बीच माधुरी ने शादी कर ली या वह प्रेग्नेंट हो गईं, तो फिल्म बीच में रुक सकती है। इसी वजह से सुभाष घई ने माधुरी से 'नो प्रेग्नेंसी' क्लॉज साइन करवाया था। इसके मुताबिक, शूटिंग के दौरान अगर माधुरी प्रेग्नेंट होतीं, तो उन्हें भारी जुर्माना भरना पड़ता। बताया जाता है कि किसी अभिनेत्री से ऐसा कॉन्ट्रैक्ट साइन करवाने वाले सुभाष घई पहले डायरेक्टर थे। 'साजन' से शुरू हुई थीं संजय दत्त और माधुरी के अफेयर की चर्चाएं-माधुरी दीक्षित और संजय दत्त के रिश्ते की चर्चाएं 1991 में आई फिल्म साजन के दौरान शुरू हुई थीं। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को पसंद आई थी और फिल्म मैगजीनों में उनके रिलेशनशिप की खबरें छपने लगी थीं। बाद में 'खलनायक' के दौरान भी ये अफवाहें तेज हो गईं। हालांकि दोनों ने कभी सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया। 1993 में मुंबई ब्लास्ट केस में संजय दत्त की गिरफ्तारी के बाद खबरें आईं कि माधुरी ने उनसे दूरी बना ली थी। माधुरी दीक्षित को सलमान से ज्यादा फीस मिली थी-तेजाब, दिल, बेटा और साजन जैसी कई सुपरहिट फिल्में दे चुकीं माधुरी दीक्षित उस समय इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस थीं। उनका स्टारडम इतना बड़ा था कि निर्माता-निर्देशक उन्हें अपनी फिल्मों की सबसे बड़ी यूएसपी मानते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'हम आपके हैं कौन' के लिए माधुरी दीक्षित को करीब 2.7 करोड़ रुपए फीस दी गई थी, जबकि सलमान खान को लगभग 25 लाख रुपए मिले थे। उस समय किसी अभिनेत्री को इतनी बड़ी रकम मिलना बड़ी बात मानी जाती थी। कहा जाता है कि इस फिल्म के बाद माधुरी बॉलीवुड की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्री बन गई थीं। सहिला चड्ढा ने भी फीस को लेकर कही यह बात- साहिला चड्ढा ने बताया कि उन्हें नहीं पता कि सलमान और माधुरी ने फिल्म के लिए कितनी फीस ली थी, क्योंकि दोनों पहले से ही राजश्री प्रोडक्शंस से जुड़े हुए थे। माधुरी ने राजश्री की फिल्म से ही करियर की शुरुआत की थी। सलमान खान भले ही पहले 'बीवी हो तो ऐसी' में काम कर चुके थे, लेकिन स्टार राजश्री की फिल्म से ही बने। उन्हें नहीं लगता कि सलमान और माधुरी ने बहुत ज्यादा पैसे डिमांड किए थे, क्योंकि दोनों का करियर कहीं न कहीं राजश्री से जुड़ा था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।